



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग III—खंड 4

PART III—Section 4

प्राप्तिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 76]
No. 76]

गई दिल्ली, भगवान्नार, नई 20, 2003/वैशाख 30, 1925
NEW DELHI, TUESDAY, MAY 20, 2003/VAISAKHA 30, 1925

राष्ट्रीय आवास बैंक

अधिसूचना

नई दिल्ली, 7 मई, 2003

सं. एनएचबी/डी एच आर डी ईड ए/111.—भारतीय आवास बैंक का निदेशक बोर्ड, राष्ट्रीय आवास बैंक अधिनियम, 1987 (1987 का 53) की धारा 55 की वृप्तिधारा (2) के खंड (1) द्वारा प्रदत्त विभिन्नों का प्रयोग करते हुए भारतीय रिजर्व बैंक के पूर्व अनुमोदन से तथा केन्द्रीय सरकार के परामर्श से निम्नलिखित विनियम बनाता है, अर्थात् :—

अध्याय 1

प्रारंभिक

1. संक्षिप्त नाम और प्रारंभ — (1) इन विनियमों का संक्षिप्त नाम राष्ट्रीय आवास बैंक (कर्मचारी) पेंशन विनियम, 2003 है।

(2) इन विनियमों में जैसा अन्यथा स्पष्ट रूप से उपबंध किया गया है उसके सिवाय, ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. परिभाषाएं — इन विनियमों में, जब तक संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो, —

(क) “अधिनियम” से राष्ट्रीय आवास बैंक अधिनियम, 1987 (1987 का 53) अभिप्रेत है;

(ख) “बीमांकक” का वही अर्थ होगा जो बीमा अधिनियम, 1938 (1938 का 4) की धारा 2 के खंड (1) में है;

(ग) “परिशिष्ट” से इन विनियमों से उपाबद्ध परिशिष्ट अभिप्रेत है;

(घ) “औसत उपलब्धियां” से किसी कर्मचारी द्वारा बैंक में उसकी सेवा के अंतिम दस मास के दौरान आहरित वेतन का औसत अभिप्रेत है;

(ङ) “बैंक” से राष्ट्रीय आवास बैंक अभिप्रेत है;

(च) “संतान” से कर्मचारी की संतान अभिप्रेत है जो यदि पुत्र है तो पच्चीस वर्ष से कम आयु का है और यदि पुत्री है तो अविवाहित है और पच्चीस वर्ष से कम आयु की है और “बालक” पद का अर्थान्वयन तदनुसार किया जाएगा ;

(छ) “रक्षम प्राधिकारी” से बैंक का अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक या कोई ऐसा अन्य प्राधिकारी अभिप्रेत है जो बैंक द्वारा इन विनियमों के प्रयोजन के लिए अभिहित किया जाए ;

(ज) “अभिदाय” से बैंक द्वारा कर्मचारी की ओर से भविष्य निधि में जमा की गई कोई रकम अभिप्रेत है किंतु इसके अंतर्गत ब्याज के रूप में जमा की गई रकम नहीं है ;

(झ) “सेवानिवृत्ति की तारीख” से उस मास की अंतिम तारीख जिसमें कोई कर्मचारी अधिवर्षिता की आयु पूरी कर लेता है या वह तारीख जिसको वह बैंक द्वारा सेवानिवृत्ति किया जाता है या वह तारीख जिसको कर्मचारी स्वेच्छा से सेवानिवृत्ति हो जाता है या वह तारीख जिसको अधिकारी सेवानिवृत्ति हुआ समझा जाता है अभिप्रेत है ;

(ञ) “सेवा निवृत्ति हुआ समझा जाता है” से केंद्रीय सरकार द्वारा बैंक में या अधिनियम की पहली अनुसूची के स्तंभ 2 में या बैंककारी कंपनी (उपक्रमों का अर्जन और अंतरण) अधिनियम, 1970 (1970 का 5) या बैंककारी कंपनी (उपक्रमों का अर्जन और अंतरण) अधिनियम, 1980 (1980 का 40) में विनिर्दिष्ट किसी अन्य बैंक में या किसी लोक वित्तीय संस्था या भारतीय स्टेट बैंक में पूर्णकालिक निदेशक या प्रबंध निदेशक या अध्यक्ष नियुक्त किए जाने पर बैंक की सेवा से समाप्ति अभिप्रेत है ;

(ट) “अनुशासन और अपील विनियम” से राष्ट्रीय आवास बैंक कर्मचारी (अनुशासन और अपील) विनियम, 1994 अभिप्रेत है ;

(ठ) “कर्मचारी” से ऐसा कोई व्यक्ति, जो बैंक की सेवा में स्थायी आधार पर पूर्णकालिक कार्य पर नियोजित है और जो इन विनियमों का विकल्प लेता है और उसके द्वारा शासित होता है, अभिप्रेत है किंतु इसके अंतर्गत संविदा आधार पर या दैनिक मजदूरी आधार पर नियोजित व्यक्ति नहीं है ;

(ड) “कुटुंब” से किसी कर्मचारी के संबंध में अभिप्रेत है, —

(क) पुरुष कर्मचारी के मामले में पत्नी या महिला कर्मचारी के मामले में पति ;

(ख) न्यायिक रूप से पृथक हुए पत्नी या पति, जहां ऐसा पृथकरण जारकर्म के आधार पर मंजूर न किया गया हो और उत्तरजीवी व्यक्ति को जारकर्म करने का दोषी अभिनिर्धारित नहीं किया गया हो ;

(ग) पुत्र जिसने पच्चीस वर्ष की आयु प्राप्त नहीं की है और अविवाहित पुत्री जिसने पच्चीस वर्ष की आयु प्राप्त नहीं की है । इसके अंतर्गत विधिक रूप से दत्तक ग्रहण किए गए पुत्र या पुत्रियां हैं ;

(द) “वित्तीय वर्ष” से 1 जुलाई को या ऐसी अन्य तारीख को जो बोर्ड द्वारा अवधारित की जाए, प्रारंभ होने वाला वर्ष अभिप्रेत है ।

(ए) “निधि” से विनियम 5 के अधीन गठित राष्ट्रीय आवास बैंक (कर्मचारी) पेंशन निधि अभिप्रेत है ;

(त) “अधिसूचित तारीख” से वह तारीख अभिप्रेत हैं जिसको विनियम राजपत्र में प्रकाशित किए जाते हैं ;

(थ) “वेतन” के अंतर्गत निम्नलिखित है :-

- (i) मूल वेतन जिसके अंतर्गत अवरुद्ध वेतन वृद्धियां, यदि कोई हो, है ;
- (ii) सभी भत्ते जो भविष्य निधि में अभिदाय करने के प्रयोजन के लिए और महंगाई भत्ता का संदाय करने के लिए गणना में लिए जाते हैं ;
- (iii) नियत निजी भत्ते का, यदि कोई हो, वेतनवृद्धि घटक ; और
- (iv) औद्योगिक कर्मकारों के लिए $1960 = 100$ आवृति में अखिल भारतीय औसत उपभोक्ता कीमत सूचकांक में सूचकांक संख्यांक 1148 तक संगणित महंगाई भत्ता ।

(द) “पेंशन” के अंतर्गत मूल पेंशन और इन विनियमों के अध्याय 6 में निर्दिष्ट अतिरिक्त पेंशन है ;

(ध) “पेंशन भोगी” से इन विनियमों के अधीन पेंशन के लिए पात्र कोई कर्मचारी अभिप्रेत है ;

(न) “भविष्य निधि” से भारतीय रीजर्व बैंक भविष्य निधि अभिप्रेत है ;

(प) “लोक वित्तीय संस्था” से ऐसी वित्तीय संस्था अभिप्रैत है जिसे कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 4क के प्रयोजनों के लिए लोक वित्तीय संस्था समझा जाता है ;

(फ) “अर्हक सेवा” से ऊँटी पर रहते हुए या अन्यथा की गई सेवा, जिसको इन विनियमों के अधीन पेंशन के प्रयोजन के लिए हिसाब में लिया जाएगा, अभिप्रैत है ;

(ब) “सेवा निवृत्त” के अंतर्गत विनियम 2 के खंड (ज) के अधीन सेवा निवृत्त समझा गया भी है ;

(भ) “सेवा निवृत्ति” से, —

(क) राष्ट्रीय आवास बैंक (अधिकारी) सेवा विनियम, 1997 में विनिर्दिष्ट अधिवर्षिता की आयु पूरी कर लेने पर ;

(ख) इन विनियमों के विनियम 28 में अंतर्विष्ट उपबंधों के अनुसार स्वेच्छा से सेवानिवृत्ति पर ;

(ग) राष्ट्रीय आवास बैंक (अधिकारी) सेवा विनियम, 1997 में विनिर्दिष्ट अधिवर्षिता की आयु पूरी करने से पहले बैंक द्वारा समय पूर्व सेवा निवृत्ति पर ;

बैंक की सेवा की समाप्ति अभिप्रैत है ;

(म) “न्यास” से विनियम 5 के उप विनियम (1) के अधीन गठित राष्ट्रीय आवास बैंक (कर्मचारी) पेंशन निधि न्यास अभिप्रैत है ;

(य) “न्यासी” से विनियम 5 के उप विनियम (1) के अधीन गठित राष्ट्रीय आवास बैंक (कर्मचारी) पेंशन निधि के न्यासी अभिप्रैत हैं ;

(यक) “भविष्य निधि का न्यासी” से भारतीय रिजर्व बैंक की भविष्य निधि का न्यासी अभिप्रैत है ;

(यख) ऐसे सभी शब्दों और पदों का, जिनका इन विनियमों में प्रयोग किया गया है किंतु परिभाषित नहीं किया गया है और अधिनियम या राष्ट्रीय आवास बैंक (अधिकारी) सेवा विनियम, 1997 में परिभाषित किया गया है, वही अर्थ होगा जो, यथास्थिति, अधिनियम या उक्त विनियमों में है ।

अध्याय 2

लागू होना और पात्रता

3. लागू होना — ये विनियम उन कर्मचारियों को लागू होंगे जो, —

- (1) (क) 9 जुलाई, 1998 को या उसके पश्चात् बैंक की सेवा में थे किंतु अधिसूचित तारीख के पूर्व सेवा निवृत्त हो गए थे ; और
- (ख) अधिसूचित तारीख से एक सौ बीस दिन के भीतर निधि का सदस्य होने के विकल्प का लिखित रूप में प्रयोग करते हैं ; और
- (ग) उप विनियम (ख) में विनिर्दिष्ट एक सौ बीस दिन की उक्त अवधि के पर्यवसान के पश्चात् साठ दिन के भीतर भविष्य निधि को बैंक के अभिदाय की संपूर्ण रकम जिसके अंतर्गत उस पर प्रोद्भूत ब्याज के साथ भविष्य निधि के परिनिर्धारण की तारीख से बैंक को पूर्वोक्त रकम की वापसी की तारीख तक उक्त रकम पर छह प्रतिशत प्रतिवर्ष की दर पर अतिरिक्त साधारण ब्याज भी है, वापस कर देते हैं ;
- (2) (क) अधिसूचित तारीख के पूर्व बैंक की सेवा में थे और अधिसूचित तारीख को या उसके पश्चात् बैंक की सेवा में बने रहे ; और
- (ख) अधिसूचित तारीख से एक सौ बीस दिन के भीतर निधि का सदस्य होने के विकल्प का लिखित रूप में प्रयोग करते हैं ; और
- (ग) बैंक की भविष्य निधि के न्यास को बैंक के संपूर्ण अभिदाय को उस पर प्रोद्भूत ब्याज के साथ विनियम 5 के अधीन प्रयोजन के लिए गठित निधि में अंतरित करने को प्राधिकृत करते हैं ; या
- (3) अधिसूचित तारीख को या उसके पश्चात् बैंक की सेवा में आते हैं ; या
- (4) 9 जुलाई, 1988 को या उसके पश्चात् किसी समय के दौरान बैंक की सेवा में थे और उसकी सेवा में रहते हुए या सेवा निवृत्ति के पश्चात् अधिसूचित तारीख से पूर्व मृत्यु हो गई थी जिस मामले में उनका कुटुंब इन विनियमों के अधीन, यथास्थिति, पेंशन या कुटुंब पेंशन का हकदार होगा ; यदि मृत्तक का कुटुंब, —
- (क) अधिसूचित तारीख से एक सौ बीस दिन के भीतर निधि का सदस्य बनने के विकल्प का लिखित रूप में प्रयोग करता है ; और

(ख) ऊपर खंड (क) में विनिर्दिष्ट एक सौ बीस दिन की उक्त अवधि के पर्यवसान से साठ दिन के भीतर बैंक के भविष्य निधि को अभिदाय की संपूर्ण रकम और उस पर प्रोद्भूत ब्याज भविष्य निधि लेखा के परिनिर्धारण की तारीख से बैंक को पूर्वोक्त रकम के प्रतिदाय की तारीख तक छह प्रतिशत प्रतिवर्ष की दर पर अतिरिक्त साधारण ब्याज के साथ वापस कर देता है।

(5) ये विनियम ऐसे मृत्तक कर्मचारियों के कुटुंब को भी लागू होंगे जिन्होंने 9 जुलाई, 1988 को या उसके पश्चात् बैंक की सेवा ग्रहण की थी किंतु उनकी अधिसूचित तारीख के पूर्व बैंक की सेवा में रहते हुए मृत्यु हो गई थी, इन विनियमों के अधीन कुटुंब मेंशन की बाबत, यदि ऐसे मृत्तक कर्मचारी का कुटुंब --

(i) अधिसूचित तारीख से एक सौ बीस दिन के भीतर भविष्य निधि के लिए बैंक के अभिदाय की संपूर्ण रकम, यदि कोई हो, और उस पर प्रोद्भूत ब्याज को भविष्य निधि के परिनिर्धारण की तारीख से बैंक को पूर्वोक्त रकम के प्रतिदाय की तारीख तक छह प्रतिशत प्रति वर्ष की दर से साधारण ब्याज के साथ वापस कर देता है ;

(ii) कुटुंब पेंशन के अनुदान के लिए लिखित रूप में आवेदन करता है।

4. भविष्य निधि में अभिदाय के लिए विकल्प — (1) विनियम 3 के उप विनियम (3) में किसी बात के होते हुए, यदि भी कोई कर्मचारी जो अधिसूचित तारीख को या उसके पश्चात् बत्तीस वर्ष की या उससे अधिक आयु पर बैंक की सेवा ग्रहण करता है, तो वह अपनी नियुक्ति की तारीख से नब्बे दिन की अवधि के भीतर अपने पेंशन के अधिकार छोड़ने का निर्वाचन कर सकेगा, तब ये विनियम उसको लागू नहीं होंगे।

(2) विनियम 3 के उप विनियम (1) में उल्लिखित विकल्प का एक बार प्रयोग किए जाने पर वह अंतिम होगा।

अध्याय 3

निधि

5. निधि का गठन -- (1) बैंक अधिसूचित तारीख से एक सौ बीस दिन के भीतर अप्रतिसंहरणीय न्यास के अधीन “राष्ट्रीय आवास बैंक (कर्मचारी) पेंशन निधि” नामक निधि गठित करेगा।

(2) निधि का इन विनियमों के अनुसार कर्मचारी या उसके कुटुंब को पेंशन या कुटुंब पेंशन के संदाय का उपबंध करने का एक मात्र प्रयोजन होगा।

(3) बैंक निधि के लिए एक अभिदाता होगा और यह सुनिश्चित करेगा कि इन विनियमों के अधीन फायदाग्राहियों को शोध्य संदायों के लिए न्यासियों को समर्थ बनाने के लिए इसमें पर्याप्त रकम रखेगा ।

6. न्यास को भविष्य निधि अतिशेष अंतरित करने का दायित्व-बैंक निधि के गठन के तत्काल पश्चात्, इन विनियमों द्वारा शासित प्रत्येक कर्मचारी की बाबत निधि में बैंक के अभिदाय के संचित अतिशेष और ऐसे अंतरण की तारीख तक उस पर प्रोद्भूत ब्याज भारतीय रिजर्व बैंक कर्मचारी भविष्य निधि को अंतरित कराएगा ।

7. निधि की संरचना — निधि निम्नलिखित से मिलकर बनेगी, अर्थात् —

(क) कर्मचारी के वेतन के दस प्रतिशत प्रतिमास की दर पर बैंक द्वारा अभिदाय ;

(ख) बैंक का संचित अभिदाय भारतीय रिजर्व बैंक कर्मचारी भविष्य निधि को और कर्मचारी की बाबत ऐसे अंतरण की तारीख तक उस पर प्रोद्भूत ब्याज जिसके अंतर्गत पूर्वतर नियोक्ता से प्राप्त भविष्य निधि की रकम और उस पर (नियोक्ता का अभिदाय) ब्याज कर्मचारी द्वारा न्यास के पास निक्षिप्त कर दिया जाता है, यदि उसने भारतीय रिजर्व बैंक या पब्लिक सेक्टर के किसी अन्य बैंक या संस्था से बैंक की सेधा ग्रहण की है ;

(ग) ऐसे कर्मचारियों द्वारा जो अधिसूचित तारीख से पहले सेवा निवृत्त हो गए हैं किंतु उन्होंने इन विनियमों में अंतर्विष्ट उपबंधों के अनुसार पेंशन का विकल्प लिया है, वापस किए गए ब्याज सहित बैंक के अभिदाय की रकम ;

(घ) निधि और उस पर ब्याज के धन से क्रय की गई वार्षिकियों या प्रतिभूतियों में विनिधान ;

(ङ) निधि की पूँजी आस्तियों के विक्रय से उद्भूत होने वाले किसी पूँजी अभिलाभ की रकम ;

(च) बैंक द्वारा इन विनियमों के विनियम 11 में अंतर्विष्ट उपबंधों के अनुसार किया गया अतिरिक्त वार्षिक अभिदाय ;

(छ) निधि में जमा रकम के विनिधान से कोई आय ;

(ज) वह रकम जो बैंक के अभिदाय के साथ मृत्तक कर्मचारी के कुटुंब द्वारा वापस किए गए ब्याज से मिलकर बनती है ।

8. न्यासियों का बोर्ड — (1) न्यासियों का बोर्ड इतनी संख्या में व्यक्तियों से मिलकर बनेगा जो तीन से अन्यून और नौ से अनधिक होंगे और जो बैंक द्वारा नियुक्त किए जाने वाले बोर्ड द्वारा अवधारित किए जाएंगे ।

(2) न्यासियों को नियुक्त करने की शक्ति बैंक में निहित होगी और ऐसी सभी नियुक्तियां लिखित रूप में की जाएंगी ।

(3) बैंक न्यासियों में से एक न्यासी को न्यासियों के बोर्ड का अध्यक्ष नामनिर्दिष्ट करेगा । बैंक एक न्यासी को अनुकूल्यी अध्यक्ष के रूप में भी नाम निर्दिष्ट करेगा जो अध्यक्ष की अनुपस्थिति में अध्यक्ष के रूप में कार्य करेगा ।

9. न्यासी बैंक के निदेशों को क्रियान्वित करेंगे — न्यासी ऐसी सभी निदेशों का अनुपालन करेंगे जो बैंक द्वारा निधि के उचित कार्यकरण के लिए दिए जाएं ।

10. निधि की लेखा पुस्तकें — (1) निधि के लेखाओं में निधि से संबंधित सभी वित्तीय संव्यवहारों की विशिष्टियां ऐसे प्ररूप में होंगी जो बैंक द्वारा विनिर्दिष्ट किया जाए ।

(2) न्यास, प्रत्येक वित्तीय वर्ष के समाप्त होने से एक सौ अस्ती दिन के भीतर न्यास का वित्तीय विवरण तैयार करेगा जिसमें न्यास की आस्तियों और दायित्वों का साधारण लेखा उपदर्शित किया जाएगा और उसकी एक प्रति बैंक को अग्रेषित करेगा ।

(3) निधि के लेखाओं की अधिनियम की धारा 40 के उपबंधों के अनुसार लेखा परीक्षा की जाएगी ।

11. निधि का बीमांकिक अन्वेषण — बैंक किसी बीमांकक द्वारा प्रत्येक वित्तीय वर्ष में 30 जून को निधि की वित्तीय दशा के बारे में अन्वेषण कराएगा और निधि को ऐसा अतिरिक्त वार्षिक अभिदाय करेगा जो इन विनियमों के अधीन फायदों के संदाय को सुनिश्चित करने के लिए अपेक्षित हों ।

परंतु बैंक किसी बीमांकक द्वारा उस वित्तीय वर्ष के, जिसके निधि का गठन किया जाता है, तत्काल आगामी वित्तीय वर्ष में 30 जून को निधि की स्थिति के अनुसार या किसी अन्य तारीख के अनुसार जो बोर्ड द्वारा विनिश्चित की जाए, वित्तीय स्थिति के बारे में अन्वेषण कराएगा ।

12. निधि का विनिधान — निधि में अभिदाय किया गया या उस तारीख के पश्चात् निधि को ब्याज के रूप में या अन्यथा प्राप्त या प्रोद्भूत होने वाले सभी धन भारत में किसी डाक घर के बचत बैंक खातों में या किसी अनुसूचित बैंक के चालू खातों में जमा किया जा सकता है या उसका भारतीय न्यास अधिनियम, 1882 (1882 का 2) के उपबंधों के अनुसार उपयोग किया जा सकता है ।

13. निधि में से संदाय — न्यास द्वारा फायदों का संदाय बैंक के कर्मचारियों के पेशनीय फायदों या मृत्तक कर्मचारियों के कुटुंबों को कुटुंब पेशन के अनुदान के लिए किया जाएगा ।

अंध्याय 4

अर्हक सेवा

14. अर्हक सेवा — इन विनियमों में अंतर्विष्ट अन्य शर्तों के अधीन रहते हुए, कोई कर्मचारी जिसने अपनी सेवा निवृत्ति की तारीख तक या उस तारीख तक जिसको उसे सेवा निवृत्त मान लिया गया है, बैंक में न्यूनतम दस वर्ष की सेवा की है, पेंशन के लिए अर्ह होगा ।

15. अर्हक सेवा का प्रारंभ — इन विनियमों में अंतर्विष्ट उपबंधों के अधीन रहते हुए, किसी कर्मचारी की अर्हक सेवा उस तारीख से प्रारंभ होगी जिसको वह बैंक में उस पद कार्यभार ग्रहण करता है जिस पर वह स्थायी आधार पर पहले नियुक्त किया जाता है ।

16. परिवीक्षा पर सेवा की गणना — बैंक में किसी पद पर परिवीक्षा पर सेवा, यदि उसके पश्चात् उसी या किसी अन्य पद पर पुष्टि की जाती है, अर्हक सेवा होगी ।

17. छुट्टी पर व्यतीत अवधि की गणना — बैंक में सेवा के दौरान सभी छुट्टी जिसके लिए छुट्टी वेतन संदेय है, अर्हक सेवा के रूप में गिनी जाएगी ।

परंतु वेतन की हानि पर असाधारण छुट्टी को सिवाय उस दशा के अर्हक सेवा के रूप में नहीं माना जाएगा जब मंजूरी प्राप्तिकारी ने निदेश दिया है कि संपूर्ण सेवा के दौरान बारह मास से अनधिक की ऐसी छुट्टी को सभी प्रयोजनों के लिए जिसके अंतर्गत पेंशन भी है, गणना में लिया जाएगा ।

18. एक वर्ष से कम खंडित सेवा की अवधि — यदि किसी कर्मचारी की सेवा की अवधि के अंतर्गत एक वर्ष से कम की खंडित सेवा की अवधि है तब यदि ऐसी खंडित अवधि छह मास से अधिक है, तो इसे एक वर्ष माना जाएगा और यदि ऐसी खंडित अवधि छह मास या कम की है तो उसकी उपेक्षा कर दी जाएगी ।

परंतु इस विनियम का उपबंध किसी कर्मचारी को पेंशन के लिए पात्र बनाने हेतु अपेक्षित सेवा का अवधारण करने के लिए लागू नहीं किया जाएगा ।

19. प्रशिक्षण पर व्यतीत अवधि की गणना — किसी कर्मचारी द्वारा उसकी नियुक्ति के तत्कालपूर्व प्रशिक्षण पर व्यतीत अवधि को अर्हक सेवा के रूप में गिना जाएगा ।

20. भारतीय रिजर्व बैंक आदि में सेवा की अवधि — ऐसे कर्मचारियों के मामले में जिन्होंने भारतीय रिजर्व बैंक या किसी अन्य पब्लिक सेक्टर संस्था से बैंक की सेवा ग्रहण की है, अर्हक सेवा उस तारीख से प्रारंभ होगी जिसको उन्होंने भारतीय रिजर्व बैंक या ऐसी अन्य संस्था में स्थायी आधार पर सेवा ग्रहण की थी, यदि भविष्य निधि की रकम (नियोक्ता का अभिदाय और उस पर व्याज) पूर्वतर

नियोक्ता से प्राप्त हो गया है और उस पर ब्याज निधि में निक्षिप्त कर दिया गया है। अन्य सभी मामलों में केवल बैंक में की गई सेवा पेंशनिक फायदों के प्रयोजन के लिए अर्हक सेवा समझी जाएगी।

21. निलंबन की अवधि — किसी कर्मचारी की जांच लंबित रहने के दौरान निलंबन की अवधि को अर्हक सेवा गिना जाएगा जहां ऐसी जांच पूरी होने के पश्चात् उसे पूर्णतः माफ कर दिया गया है या निलंबन को पूर्णतः अनुचित अवधारित किया गया है और अन्य मामलों, में निलंबन की अवधि को तब तक अर्हक सेवा नहीं गिना जाएगा जब तक राष्ट्रीय आवास बैंक कर्मचारी (आचरण) विनियम, 1994 और राष्ट्रीय आवास बैंक कर्मचारी (आचरण और अपील) विनियम, 1994 के अधीन आदेश पारित करने वाला समक्ष प्राधिकारी समय पर स्पष्ट रूप से यह घोषणा नहीं करता है कि इसे इस रूप में ऐसी सीमा तक गिना जाएगा जैसी प्राधिकारी घोषणा करता है।

22. सेवा सम्पहरण — (1) बैंक की सेवा से किसी कर्मचारी का पद त्याग या पदच्युति या हटाया जाना या समाप्ति से उसकी संपूर्ण पिछली सेवा का सम्पहरण हो जाता है और परिणामस्वरूप पेंशनिक फायदों के लिए अर्हक नहीं होगी।

(2) निम्नलिखित मामलों के सिवाय किसी कर्मचारी की सेवा में व्यवधान से उसकी पिछली सेवा समर्त हो जाएगी, अर्थात्

(क) अनुपस्थिति की प्राधिकृत छुट्टी ;

(ख) निलंबन, जहां उसके तत्काल पश्चात् चाहे उसी पद पर या भिन्न पद पर उसका पुनः स्थापन कर दिया जाता है या जहां कर्मचारी की मृत्यु हो जाती है या उसे सेवानिवृत्त होने की अनुमति दी जाती है या निलंबनाधीन रहने के दौरान अनिवार्य सेवा निवृत्ति की आयु पूरी करने पर सेवा निवृत्त कर दिया जाता है ;

(ग) सरकार या बैंक के नियंत्रण के अधीन किसी स्थापन में अनर्हक सेवा का अंतरण यदि ऐसा अंतरण सक्षम प्राधिकारी द्वारा लोक हित में किया गया है ;

(घ) एक पद से किसी अन्य पद पर स्थानांतरण के समय कार्यभार श्रहण का समय।

(3) उप विनियम (2) में अंतर्विष्ट किसी बात के होते हुए भी, नियुक्ति प्राधिकारी, आदेश द्वारा, बिना छुट्टी अनुपस्थिति की अवधि को भूतलक्षी प्रभाव से असाधारण छुट्टी में परिवर्तित कर सकेगा।

(4) (क) सेवा अभिलेख में किसी प्रतिकूल विनिर्दिष्ट संकेत के अभाव में, कर्मचारी द्वारा की गई सेवा की दो अवधियों के बीच के व्यवधान को स्वयमेव माफ माना जाएगा और व्यवधान पूर्व सेवा अर्हक सेवा मानी जाएगी।

(ख) खंड (क) की कोई बात पद त्याग, पदच्युति या सेवा से हटाए जाने से कार्रित व्यवधान को नहीं लागू होगी ।

23. विदेशी सेवा पर प्रतिनियुक्ति की अवधि — संयुक्त राष्ट्र या किसी अन्य विदेशी निकाय या संगठन की विदेशी सेवा में प्रतिनियुक्त कोई कर्मचारी अपने विकल्प से —

(क) अपनी विदेशी सेवा की बाबत पेंशन अभिदाय का संदाय कर सकेगा और इस विनियम के अधीन उक्त सेवा को अर्हक सेवा के रूप में गिन सकेगा ; या

(ख) विदेशी नियोक्ता के नियमों के अधीन अनुज्ञेय सेवानिवृत्ति फायदे प्राप्त कर सकेगा और इन विनियमों के अधीन अर्हक सेवा के रूप में ऐसी सेवा को नहीं गिन सकेगा ;

परंतु जहां कोई कर्मचारी खंड (ख) का विकल्प लेता है वहां उसे सेवा निवृत्ति के लाभ भारत में ऐसी तारीख से और ऐसी रीति में रूपयों में संदेय होंगे जो बैंक आदेश द्वारा विनिर्दिष्ट करे ।

24. सैनिक सेवा — कोई कर्मचारी जिसने बैंक में नियुक्ति से पूर्व सैनिक सेवा की है, सैनिक पेंशन, यदि कोई हो आहरित करना जारी रखेगा और कर्मचारी द्वारा की गई सैनिक सेवा को पेंशन के लिए अर्हक सेवा के रूप में नहीं गिना जाएगा ।

25. भारत में किसी संगठन में प्रतिनियुक्ति की अवधि — किसी कर्मचारी की भारत में किसी अन्य संगठन में प्रतिनियुक्ति की अवधि को अर्हक सेवा के रूप में गिना जाएगा :

परंतु वह संगठन जिसमें वह प्रतिनियुक्त किया गया है या कर्मचारी बैंक को इन विनियमों के विनियम 7 के उप विनियम (क) में विनिर्दिष्ट दर पर या बैंक द्वारा प्रतिनियुक्त के समय विनिर्दिष्ट दरों पर, इनमें जो भी अधिक हो, पेंशन संबंधी अभिदाय का संदाय करता है ।

26. विशेष परिस्थितियों में अर्हक सेवा में परिवर्धन — कोई कर्मचारी अधिवर्षिता पेंशन के लिए अपनी अर्हक सेवा के लिए (किन्तु पेंशन के किसी अन्य वर्ग के लिए नहीं) वास्तविक अवधि में परिवर्धन करने का पात्र होगा जो उसकी सेवा अवधि के चौथाई से अनधिक वास्तविक अवधि हो या जो ऐसी वास्तविक अवधि हो जिससे सीधी भर्ती के लिए बैंक द्वारा विनिर्दिष्ट ऊपरी आयु सीमा या पांच वर्ष की अवधि, इनमें जो भी कम हो, यदि सेवा या पद जिस पर कर्मचारी नियुक्त किया गया है ऐसा पद या सेवा है —

(क) जिसके लिए वैज्ञानिक, प्रौद्योगिकी या वृत्तिक क्षेत्रों में स्नातकोत्तर अनुसंधान या विशेषज्ञ अर्हता या अनुभव अनिवार्य है ;

(ख) जिसके लिए ऐसे अभ्यर्थी सामान्यतः भर्ती किए जाते हैं जिनकी आयु सीधी भर्ती के लिए विनिर्दिष्ट ऊपरी आयु सीमा से अधिक होती है।

(ग) जिसके लिए अभ्यर्थी को बैंक द्वारा उसकी उच्चतर अर्हता या अनुभव के आधार पर नियत अधिकतम आयु सीमा से ऊपर आयु शिथिलीकरण किया गया था।

परंतु यह रियायत किसी कर्मचारी को तब अनुज्ञेय नहीं होगी जब उसकी वास्तविक अर्हक सेवा उस समय जब वह बैंक से सेवा छोड़ता है, दस वर्ष से कम है।

परंतु यह और कि यह रियायत तभी अनुज्ञेय होगी यदि उक्त सेवा या पद की बाबत भर्ती नियम में यह विनिर्दिष्ट उपबंध है कि वह सेवा या पद ऐसा है जिसको इस विनियम का फायदा मिलता है।

परंतु यह भी कि किसी सेवा या पद की बाबत जिसको इस विनियम का फायदा मिलता है, भर्ती नियम केंद्रीय सरकार के अनुमोदन से बनाए जाएंगे।

अध्याय 5

पेंशन के वर्ग

अधिवर्षिता पेंशन -- अधिवर्षिता पेंशन ऐसे कर्मचारी को अनुदत्त की जाएगी जो राष्ट्रीय आवास बंक (अधिकारी) सेवा विनियम, 1997 में विनिर्दिष्ट अधिवर्षिता की आयु प्राप्त कर लेने पर सेवा निवृत्त हुआ है।

परंतु ऐसे कर्मचारी को भी पेंशन अनुदत्त की जाएगी जो अधिवर्षिता की आयु प्राप्त करने से पहले किंतु किसी ऐसी स्कीम के निबन्धनानुसार जो बौर्ड द्वारा केंद्रीय सरकार की सहमति से विरचित की जाए, 15 वर्ष की न्यूनतम अवधि के लिए सेवा करने के पश्चात् सेवा निवृत्त होने का विकल्प चुनता है।

28. स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति पर पेंशन -- (1) कोई कर्मचारी अर्हक सेवा के बीस वर्ष पूरा कर लेने के पश्चात्, किसी समय, सक्षम प्राधिकारी को लिखित रूप में तीन मास से अन्यून की सूचना देने के पश्चात् सेवा से सेवा निवृत्त हो सकेगा :

परंतु यह उप विनियम ऐसे कर्मचारी को, जो प्रतिनियुक्ति पर है या विदेश में अध्ययन छुट्टी पर है तब तक लागू नहीं होगा। जब तक उसके भारत में स्थानांतरित होने या वास से आने के पश्चात् उसने भारत में पद का कार्यभार ग्रहण न कर लिया हो और उसने एक वर्ष से अन्यून अधिक के लिए सेवा नहीं कर ली है।

परंतु यह और कि यह उप विनियम ऐसे कर्मचारी को लागू नहीं होगा जो किसी स्वायत निकाय या पब्लिक सेक्टर उपक्रम या कंपनी या संस्था या निकाय में, चाहे वह निगमित हो या नहीं, जिसमें वह स्वैच्छिक सेवा निवृत्ति की बांछा करते समय प्रतिनियुक्ति पर है, स्थायी रूप से आमेलित किए जाने के लिए सेवा से सेवानिवृत्त होने की बांछा करता है ;

परंतु यह भी कि यह उप विनियम ऐसे किसी कर्मचारी को लागू नहीं होगा जो विनियम 2 के खंड (ज) के अनुसार सेवानिवृत्त समझा जाता है ।

(2) उप विनियम (1) के अधीन दी गई स्वैच्छिक सेवा निवृत्ति की सूचना के लिए सक्षम प्राधिकारी की स्वीकृति अपेक्षित होगी :

परंतु जहां सक्षम प्राधिकारी उक्त सूचना में विनिर्दिष्ट अवधि के पर्यवसान के पूर्व सेवा निवृत्ति के लिए अनुमति प्रदान करने से इन्कार नहीं करता है, वहां सेवा निवृत्ति उक्त अवधि के पर्यवसान की तारीख से प्रभावी हो जाएगी ।

(3) (क) उप विनियम (1) में निर्दिष्ट कोई कर्मचारी सक्षम प्राधिकारी से लिखित रूप में उसके लिए कारण देते हुए यह अनुरोध कर सकेगा कि सक्षम प्राधिकारी तीन मास से कम की स्वैच्छिक सेवा निवृत्ति की सूचना स्वीकार करे ।

(ख) खंड (क) के अधीन अनुरोध प्राप्त होने पर सक्षम प्राधिकारी उप विनियम (2) के अधीन रहते हुए, तीन मास की सूचना की अवधि में कमी के लिए ऐसे अनुरोध पर गुणागुण के आधार पर विचार कर सकेगा और यदि उसका समाधान हो जाता है कि सूचना की अवधि में कमी से कोई प्रशासनिक असुविधा नहीं होगी तो सक्षम प्राधिकारी तीन मास से सूचना की अपेक्षा को इस शर्त पर शिथिल कर सकेगा कि कर्मचारी तीन मास की सूचना की समाप्ति से पहले अपने पैंशन के एक भाग के संराशीकरण के लिए आवेदन नहीं करेगा ।

(4) कोई कर्मचारी जो इस विनियम के अधीन सेवा निवृत्त होने का निर्वाचन करता है और उसने इस आशय की आवश्यक सूचना सक्षम प्राधिकारी को दे दी है, ऐसे प्राधिकारी के विनिर्दिष्ट अनुमोदन के सिवाय अपनी सूचना को वापस लेने से निवारित होगा :

परंतु ऐसी वापसी के लिए अनुरोध उसकी सेवा निवृत्ति की आशयित तारीख से पूर्व किया जाएगा ।

(5) ऐसे कर्मचारी की जो इस विनियम के अधीन स्वैच्छिक रूप से सेवा निवृत्त होता है, अर्हक सेवा इस शर्त के अध्यधीन पांच वर्ष से अनधिक अवधि के लिए बढ़ा दी जाएगी कि ऐसे कर्मचारी द्वारा की गई कुल अर्हक सेवा किसी भी दशा में तीनीस वर्ष से अधिक नहीं होगी और यह अधिवर्षिता की तारीख से परे नहीं है ।

(6) इस उप विनियम के अधीन सेवा निवृत्त होने वाले कर्मचारी की पेंशन औसत परिलब्धियों परे आधारित होगी जैसा इन विनियमों के विनियम 2 के खंड (घ) के अधीन परिभाषित है और उसकी अर्हक सेवा में पांच वर्ष से अनधिक की वृद्धि उसकी पेंशन की संगणना के प्रयोजन के लिए वेतन के किसी काल्पनिक नियतन का उसे हकदार नहीं बनाएगी ।

29. अशक्त पेंशन -- (1) अशक्त पेंशन किसी कर्मचारी को अनुदत्त की जा सकती है, जो

(क) न्यूनतम दस वर्ष की सेवा कर चुका है ; और

(ख) सेवा से अधिसूचित तारीख को या उसके पश्चात् किसी शारीरिक या मानसिक अंग शैथिल्य के, जो उसे सेवा के लिए स्थायी रूप से असमर्थ बनाता है, आधार पर सेवा से सेवानिवृत्त होता है ।

(2) अशक्त पेंशन के लिए आवेदन करने वाला कर्मचारी बैंक द्वारा अनुमोदित किसी चिकित्सा अधिकारी से असमर्थता का चिकित्सा प्रमाण पत्र प्रस्तुत करेगा ।

(3) जहां बैंक द्वारा अनुमोदित चिकित्सा अधिकार उसे उस सेवा से, जो वह कर रहा था, भिन्न प्रकार की कम श्रम वाली और सेवा के लिए उपयुक्त घोषित करता है तो उसे निचले पद पर नियुक्त किया जा सकता है बशर्ते वह इस प्रकार नियोजित किए जाने का इच्छुक है और यदि उसे निचले पद पर भी नियोजित करने का कोई साधन नहीं है तो उसे अशक्त पेंशन के लिए ग्रहण किया जा सकता है ।

(4) सेवा के लिए असमर्थता का कोई चिकित्सा प्रमाणपत्र तब तक अनुदत्त नहीं किया जा सकता है जब तक आवेदक यह दर्शित करने के लिए पत्र प्रस्तुत नहीं करता है कि सक्षम प्राधिकारी बैंक द्वारा अनुमोदित चिकित्सा अधिकारी के समक्ष उपस्थित होने के आवेदक के आशय से अवगत है ।

(5) बैंक द्वारा अनुमोदित चिकित्सा अधिकारी को उस सक्षम प्राधिकारी द्वारा जहां आवेदक नियोजित है इस बारे में एक विवरण भी प्रदाय किया जाएगा जिससे शासकीय अभिलेख से आवेदक की आयु प्रतीत होती हो ।

30. अनुकंपा भत्ता -- (1) किसी कर्मचारी की जिसे सेवा से पदच्युत किया जाता है या हटाया जाता है या जिसकी सेवा समाप्त की जाती है, पेंशन समपद्धत हो जाएगी ।

परंतु उसे सेवा से पदच्युत करने या हटाने या उसकी सेवा समाप्त करने के लिए सक्षम प्राधिकारी से उच्चतर प्राधिकारी, यदि

(i) ऐसी पदच्युति, हटाया जाना या समाप्ति अधिसूचित तारीख को या उसके पश्चात् है ; और

(ii) मामला विशेष विचार के योग्य है,

ऐसी पेंशन के, जो उसकी पदच्युति, हटाए जाने या सेवा की समाप्ति तक की गई अहंक सेवा के आधार पर उसको अनुज्ञेय हुई होती, दो तिहाई से अनधिक का अनुकंपा भत्ता मंजूर कर सकेगा ।

(2) उप विनियम (1) के परंतुक के अधीन मंजूर अनुकंपा भत्ता इन विनियमों के विनियम 35 के अधीन संदेय न्यूनतम पेंशन की रकम से कम नहीं होगा ।

31. समयपूर्व सेवानिवृत्ति पेंशन — समयपूर्व सेवानिवृत्ति पेंशन किसी ऐसे कर्मचारी को मंजूर की जा सकती है, —

(क) जिसने न्यूनतम दस वर्ष की सेवा की है ;

(ख) जो लोक हित में या राष्ट्रीय आवास बैंक (अधिकारी) सेवा विनियम, 1997 में विनिर्दिष्ट किसी अन्य कारण के लिए समयपूर्व सेवा निवृत्त करने के लिए बैंक के आदेशों के आधार पर सेवा निवृत्त होता है, यदि वह उस तारीख को अधिवर्षिता पर ऐसी पेंशन का हकदार था ।

32. अनिवार्य सेवानिवृत्ति पेंशन — (1) किसी कर्मचारी को, जिसे राष्ट्रीय आवास बैंक कर्मचारी (आचरण) विनियम, 1994 और राष्ट्रीय आवास बैंक कर्मचारी (अनुशासन और अपील) विनियम, 1994 के निबंधनों के अनुसार अधिसूचित तारीख को या उसके पश्चात् शास्ति के रूप में सेवा से अनिवार्य रूप से सेवानिवृत्त किया गया है, उस सक्षम प्राधिकारी से, जो ऐसी शास्ति अधिरोपित करने के लिए सक्षम है, उच्चतर प्राधिकारी द्वारा उसे उसकी अनिवार्य सेवानिवृत्त तारीख पर अनुज्ञेय दो तिहाई से अनधिक दर पर और पूर्ण पेंशन से अनधिक पेंशन मंजूर की जा सकती है यदि वह उस तारीख को सेवा निवृत्ति पर ऐसी पेंशन के लिए अन्यथा हकदार था ।

(2) जहां कहीं किसी कर्मचारी के मामले में सक्षम प्राधिकारी इन विनियमों के अधीन अनुज्ञेय पूर्ण प्रतिकरात्मक पेंशन से कम पेंशन अधिनिर्णित करने का आदेश (चाहे मूल, अपीली या पुनर्विलोकन की शक्ति का प्रयोग करके) पारित करता है वहां ऐसा आदेश पारित किए जाने से पूर्व बोर्ड से परामर्श किया जाएगा ।

(3) यथास्थिति, उप विनियम (1) या उप विनियम (2) के अधीन मंजूर या अधिनिर्णित पेंशन सात सौ पचास रूपए प्रतिमास से कम नहीं होगी ।

33. ऐसे कर्मचारियों की बाबत जो 9 जुलाई, 1988 और अधिसूचित तारीख के बीच सेवा निवृत्त हुए हैं या जिनकी मृत्यु हो गई है, पेंशन या कुटुंब पेंशन का संदाय — (1) वे कर्मचारी जो 9 जुलाई, 1988 और अधिसूचित तारीख के बीच बैंक की सेवा से सेवानिवृत्त हो गए हैं, केवल अधिसूचित तारीख से पेंशन के लिए पात्र होंगे ;

(2) किसी मृत कर्मचारी का कुटुंब जो विनियम 3 के उप विनियम (4) में अंतर्विष्ट उपबंधों द्वारा शासित होता है, अधिसूचित तारीख से कुटुंब पेंशन के लिए पात्र होगा ।

अध्याय 6

पेंशन की दर

34. पेंशन की रकम -- (1) ऐसे कर्मचारियों की बाबत जो 9 जुलाई, 1988 और अधिसूचित तारीख के बीच सेवा निवृत्त हुए हैं, मूल पेंशन परिशिष्ट 1 में दिए गए सूत्र के अनुसार अद्यतन की जाएगी ।

(2) ऐसे कर्मचारी के मामले में जो तीनीस वर्ष से अन्यून अर्हक सेवा पूरी करने के पश्चात् सेवा विनियमों के उपबंधों के अनुसार सेवा निवृत्त होता है, मूल पेंशन की रकम औसत परिलम्बियों के पचास प्रतिशत की दर से संगणित की जाएगी ।

(3) (क) अतिरिक्त पेंशन किसी कर्मचारी द्वारा अपनी सेवा के पिछले दस मासों के दौरान आहरित भत्तों की औसत रकम की पचास प्रतिशत होगी ;

(ख) अतिरिक्त पेंशन की रकम पर कोई मंहगाई राहत संदर्भ नहीं की जाएगी ।

स्पष्टीकरण -- इस विनियम के प्रयोजनों के लिए भत्तों से ऐसे भत्ते अभिप्रेत हैं जो भविष्य निधि में अभिदाय करने के लिए गणना की गई सीमा तक अनुज्ञेय हैं ।

(4) यथासंगणित पेंशन जो उप विनियम (2) और उप विनियम (3) का कुल योग है, इन विनियमों में विनिर्दिष्ट न्यूनतम पेंशन के अध्यधीन होगी ।

(5) ऐसा कर्मचारी जिसने विनियम 40 के उपबंधों के अनुसार अपनी पेंशन के अनुज्ञेय भाग का संराशीकरण करा लिया है, प्रतिमास केवल पेंशन का अतिशेष प्राप्त करेगा ।

(6) (क) ऐसे कर्मचारी के मामले में जो 33 वर्ष की अर्हक सेवा पूरी करने से पहले किंतु दस वर्ष की अर्हक सेवा पूरी करने के पश्चात् सेवा निवृत्त होता है, पेंशन की रकम उप विनियम (2) और उप विनियम (3) के अधीन अनुज्ञेय पेंशन की रकम की आनुपातिक होगी और किसी भी मामले में पेंशन की रकम इन विनियमों में विनिर्दिष्ट न्यूनतम पेंशन की रकम से कम नहीं होगी ।

(ख) इन विनियमों में अंतर्विष्ट किसी बात के होते हुए भी, अशक्तता पेंशन की रकम ऐसी कुटुंब पेंशन की सामान्य दर से कम नहीं होगी जो उसके सेवा में रहने के दौरान उसकी मृत्यु की दशा में उसके कुटुंब को संदेय हुई होती ।

(7) इस विनियम के अधीन अंतिम रूप से अवधारित पेंशन की रकम पूर्ण रूपए के रूप में अभिव्यक्त की जाएंगी और जहां पेंशन में एक रूपए का भार है उसे आगामी उच्चतर रूपए तक पूर्णांकित किया जाएगा ।

35. न्यूनतम पेंशन — न्यूनतम पेंशन की रकम सात सौ बीस रुपए प्रतिमास होगी ।

36. मंहगाई राहत — (1) मंहगाई राहत मूल पेंशन या कुटुंब पेंशन या अशक्तता पेंशन या अनुकम्पा भत्ते पर परिशिष्ट II में विनिर्दिष्ट दरों के अनुसार अनुदाता की जाएगी ।

(2) मंहगाई राहत संशोधन के पश्चात् भी पूर्ण मूल पेंशन पर अनुज्ञात होगी ।

37. औसत परिलक्षियों के लिए वस मास की अवधि का अवधारण — (1) औसत परिलक्षियों के प्रयोजन के लिए पूर्वतर दस मास की अवधि सेवा निवृत्ति की तारीख से गिनी जाएगी ।

(2) स्वैच्छिक सेवा निवृत्ति या समयपूर्व सेवा निवृत्ति के मामले में औसत परिलक्षियों के प्रयोजन के लिए पूर्वतर दस मास की अवधि उस तारीख से गिनी जाएगी जिसको कर्मचारी रवेच्छा से सेवानिवृत्त होता है या बैंक द्वारा समयपूर्व सेवानिवृत्त किया जाता है ।

(3) पदच्युति या सेवा से हटाए जाने या स्वैच्छिक सेवा निवृत्ति या सेवा की समाप्ति के मामले में औसत परिलक्षियों के प्रयोजन के लिए पूर्वतर वस मास की अवधि की गणना उस तारीख से की जाएगी जिसको कर्मचारी बैंक द्वारा पदच्युत किया जाता है, हटाया जाता है या स्वैच्छिक रूप से सेवानिवृत्त किया जाता है या उसकी सेवा समाप्त की जाती है ।

(4) यदि सेवा के अंतिम दस मासों के दौरान कोई कर्मचारी वेतन की हानि सहित असाधारण छुट्टी पर ऊटी से अनुपरिधित रहा था या निलंबनाधीन रहा था और जिसे सेवा की अवधि के रूप में नहीं गिना गया है, असाधारण छुट्टी या निलंबन की पूर्वाकृत अवधि को औसत परिलक्षियों की संगणना के लिए हिसाब में नहीं लिया जाएगा और वस मास से पूर्व की समतुल्य अवधि को सम्मिलित किया जाएगा ।

अध्याय 7

कुटुंब पेंशन

38. कुटुंब पेंशन — (1) इन विनियमों में अंतर्विष्ट उपबंधों पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना जहां किसी कर्मचारी की, -

(क) एक वर्ष की निरंतर सेवा पूरी करने के पश्चात् मृत्यु हो जाती है ; या

(ख) एक वर्ष की निरंतर सेवा पूरी करने से पहले मृत्यु हो जाती है यदि संबंधित मृतक कर्मचारी की सेवा या पद पर उसकी नियुक्ति से पूर्व बैंक द्वारा अनुमोदित किसी चिकित्सा अधिकारी द्वारा परीक्षा की गई थी और उसे बैंक के नियोजन के लिए उपयुक्त घोषित किया गया था ; या

(ग) सेवा से सेवानिवृत्त होने के पश्चात् मृत्यु हो जाती है और वह मृत्यु की तारीख पर पेंशन या अनुकंपा भत्ता प्राप्त कर रहा था,

तो मृतक का कुटुंब, कुटुंब पेंशन का हकदार होगा और उसकी रकम परिशिष्ट III के अनुसार अवधारित की जाएगी ।

(2) कुटुंब पेंशन की रकम मासिक दर पर नियत की जाएगी और पूर्ण रूपए के रूप में अभिव्यक्त किया जाएगा और जहां कुटुंब पेंशन में एक रूपए का भाग है तो इसे अगले उच्चतर रूपए तक पूर्णांकित किया जाएगा :

परंतु किसी भी मामले में इन विनियमों के अधीन विहित अधिकतम कुटुंब पेंशन से अधिक कुटुंब पेंशन अनुज्ञात नहीं की जाएगी ।

(3) (क) (i) जहां किसी कर्मचारी की, जो कर्मकार प्रतिकर अधिनियम, 1923 (1923 का 8) द्वारा शासित नहीं होता है, सात वर्ष से अन्यून की निरंतर सेवा करने के पश्चात् सेवा में रहते हुए मृत्यु हो जाती है, वहां कुटुंब को संदेय कुटुंब पेंशन की दर आहरित अंतिम वेतन के पचास प्रतिशत के समतुल्य या उप विनियम (1) के अधीन अनुज्ञेय कुटुंब पेंशन के दुगने के समतुल्य, इनमें जो भी कम हो, होगी और इस प्रकार अनुज्ञेय रकम कर्मचारी की मृत्यु की तारीख से अगली तारीख से सात वर्ष की अवधि के लिए या उस तारीख तक की अवधि के लिए जिसको सेवानिवृत्त मृतक कर्मचारी ने तब पैसठ वर्ष की आयु पूरी कर ली होती यदि वह जीवित रहता, इनमें से जो भी कम हो, संदेय होगी ।

(ii) किसी कर्मचारी की सेवानिवृत्ति के पश्चात् मृत्यु की दशा में, इस विनियम के खंड (क) या खंड (ख) के अधीन अवधारित रूप में पेंशन सात वर्ष की अवधि के लिए या उस तारीख तक की अवधि के लिए जिसको सेवानिवृत्त मृतक कर्मचारी पैसठ वर्ष की आयु पूरी करता यदि वह जीवित रहता, इनमें से जो भी कम हो, संदेय होगी ।

(ख) (i) यदि किसी कर्मचारी की, जो कर्मकार प्रतिकर अधिनियम, 1923 (1923 का 8) द्वारा शासित होता है, सात वर्ष से अन्यून की निरंतर सेवा करने के पश्चात् सेवा में रहते हुए मृत्यु हो जाती है तो उसके कुटुंब को संदेय कुटुंब पेंशन अंतिम आहरित वेतन के पचास प्रतिशत के समतुल्य या उप विनियम (1) के अधीन कुटुंब पेंशन के डेढ़ गुने के समतुल्य, इनमें जो भी कम हो, संदेय होगी ;

(ii) उप खंड (i) के अधीन इस प्रकार अवधारित कुटुंब पेंशन खंड (क) में उल्लिखित अवधि के लिए संदेय होगी ।

(ग) खंड (क) में निर्दिष्ट अवधि की समाप्ति के पश्चात् उस खंड या खंड (ख) के अधीन कुटुंब पेंशन प्राप्त करने वाला कुटुंब उप विनियम (1) के अधीन अनुज्ञेय दर पर कुटुंब पेंशन का हकदार होगा ।

(4) इन विनियमों में अंतर्विष्ट किसी बात के होते हुए भी, जहां किसी मृतक कर्मचारी का कुटुंब विनियम 3 के उपविनियम (4) के अनुसार पेंशन के लिए विकल्प लेता है, वहां मृतक का ऐसा कुटुंब इन विनियमों के अधीन कुटुंब पेंशन के लिए पात्र होगा ।

39. कुटुंब पेंशन के संदाय की अवधि — (1) वह अवधि जिसके लिए कुटुंब पेंशन संदेय होगी निम्नलिखित होगी —

(क) विधवा या विधुर के मामले में, मृत्यु या पुनर्विवाह की तारीख तक इनमें जो भी पहले हो ;

(ख) पुत्र के मामले में जब तक वह पच्चीस वर्ष की आयु प्राप्त नहीं कर लेता है, और

(ग) अविवाहित पुत्री के मामले में, जब तक वह पच्चीस वर्ष की आयु प्राप्त नहीं कर लेती है या जब तक वह विवाह नहीं कर लेती है, इनमें जो भी पहले हो :

परंतु यदि किसी कर्मचारी का पुत्र या पुत्री भस्त्रिष्क की किसी असमर्थता या निःशक्तता से ग्रस्त है या शारीरिक रूप से इतना विकलांग या असमर्थ है जिसके कारण वह पच्चीस वर्ष की आयु प्राप्त कर लेने के पश्चात् भी जीवनयापन के लिए अर्जन करने में असमर्थ है, तो ऐसे पुत्र या पुत्री को कुटुंब पेंशन निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए आजीवन संदेय होगी :—

(i) यदि पुत्र या पुत्री कर्मचारी की दो या अधिक संतानों में से एक है तो कुटुंब पेंशन प्रारंभिक रूप से अवयस्क संतानों को उप विनियम (1) के खंड (छ) में उपवर्णित क्रम में तब तक संदेय होगी जब तक अंतिम अवयस्क संतान पच्चीस वर्ष की आयु प्राप्त नहीं कर लेती है और उसके पश्चात् कुटुंब पेंशन उस पुत्र या पुत्री के पक्ष में फिर से लागू की जाएगी जो भस्त्रिष्क की असमर्थता या अशक्तता से ग्रस्त है या जो शारीरिक रूप से विकलांग या निःशक्त है और यह उसे आजीवन संदेय होगी ;

(ii) यदि एक से अधिक संतान मानसिक असमर्थता या निःशक्तता से ग्रस्त है या शारीरिक रूप से विकलांग या निःशक्त है तो कुटुंब पेंशन उनके जन्म के क्रम से संदत्त की जाएगी और उनमें से सबसे छोटी संतान कुटुंब पेंशन उसके बाद ही प्राप्त करेगी जब उससे ठीक बड़ी संतान पात्र नहीं रह जाती है :

परंतु जहां कुटुंब पेंशन ऐसे जुड़वा संतानों को संदेश है तो यह उप विनियम (1) के खंड (च) में उपवर्णित रीति में संदत्त की जाएगी ।

(iii) ऐसे पुत्र या पुत्री को कुटुंब पेंशन संरक्षक के माध्यम से संदत्त की जाएगी मानों वह अवयरक हो सिवाय शारीरिक रूप से विकलांग पुत्र या पुत्री को जिसने वयस्कता की आयु पूरी कर ली है ।

(iv) ऐसे किसी पुत्र या पुत्री को आजीवन कुटुंब मेंशन के लिए अनुज्ञात करने के पहले सक्षम प्राधिकारी यह समाधान कर लेगा कि विकलांगता ऐसी प्रकृति की है जो उसे अपना जीवनयापन अर्जित करने से निवासित करती है और बैंक द्वारा अनुमोदित चिकित्सा अधिकारी से अभिप्राप्त प्रमाणपत्र से साक्षात्कृत किया जाएगा जिसमें संतान की, यथाशक्य, सही सही मानसिक और शारीरिक दशा उपवर्णित की गई है ।

(v) ऐसे पुत्र या पुत्री के संरक्षक के रूप में कुटुंब पेंशन प्राप्त करने वाले व्यक्ति या ऐसे पुत्र या पुत्री जो किसी संरक्षक के माध्यम से कुटुंब पेंशन नहीं प्राप्त कर रहा है या रही है प्रत्येक तीन वर्ष में बैंक द्वारा अनुमोदित चिकित्सा अधिकारी से इस आशय का प्रमाणपत्र प्रस्तुत करेगा कि वह मानसिक असमर्थता या निःशक्तता से ग्रस्त बना हुआ है या वह शारीरिक रूप से विकलांग या निःशक्त बना हुआ है ।

स्पष्टीकरण — इस विनियम में विनिर्दिष्ट आयुसीमा के आगे निःशक्त बालकों को कुटुंब पेंशन का अनुदान निम्नलिखित शर्तों के अधीन है, अर्थात् —

- (i) एक पुत्री उस तारीख से, जिसको वह विवाह करती है, इस उप विनियम के अधीन कुटुंब पेंशन के लिए अपाप्त हो जाएगी ;
- (ii) ऐसे पुत्र या पुत्री को संदेय कुटुंब पेंशन बंद कर दी जाएगी यदि वह अपनी जीविका अर्जित करना आरंभ कर देता है या कर देती है । ऐसे मामलों में संरक्षक या ऐसे पुत्र या पुत्री का प्रत्येक मास बैंक को एक ऐसा प्रमाणपत्र प्रस्तुत करने का कर्तव्य होगा कि —
 - (अ) ऐसे पुत्र या पुत्री ने अपनी जीविका अर्जित करना आरंभ नहीं किया है ;
 - (आ) पुत्री की दशा में, उसका अभी विवाह नहीं हुआ है ;
- (घ) यदि कोई मृत कर्मचारी या पेंशन भोगी कोई विधवा या विधुर पीछे छोड़ जाता है तो कुटुंब पेंशन विधवा या विधुर को संदेय होगी, जिसके न होने पर पात्र बालक को संदेय होगी ;

(ङ) संतान को कुटुंब पेंशन उनके जन्म के क्रम में संदेय होगी और उनमें से अत्यवयतर तब तक कुटुंब पेंशन के लिए पात्र नहीं होगा जब तक उससे ऊपर अगली बड़ी संतान कुटुंब पेंशन के अनुदान के लिए अपात्र नहीं हो जाती है ।

परंतु जहां कुटुंब पेंशन जुड़वा संतानों को संदेय है, वहां वह उप विनियम (1) के खंड (च) में दी गई रीति से संदत्त की जाएगी ।

(च) जहां कुटुंब पेंशन जुड़वा संतानों को संदेय हैं वहां वह ऐसे ऐसी संतानों को बराबर अंशों में संदत्त की जाएगी ।

परंतु जहां एक ऐसा बालक पात्र नहीं रहता है वहां उसका अंश अन्य बालक को प्रतिवर्तित हो जाएगा और जहां उनमें से दोनों पात्र नहीं रहते हैं, वहां कुटुंब पेंशन अगले पात्र, यथास्थिति, अकेले बालक या जुड़वा संतान को संदेय होगी ।

(2) जहां कोई मृत कर्मचारी या पेंशनभोगी एक से अधिक संतान पीछे छोड़ जाता है, वहां सब से बड़ा बालक उपविनियम (1) के, यथास्थिति, खंड (ख) या खंड (ग) में उल्लिखित अवधि के लिए कुटुंब पेंशन के लिए पात्र होगा और उस अवधि की समाप्ति के पश्चात् अगला बालक कुटुंब पेंशन के अनुदान के लिए पात्र हो जाएगा ।

(3) जहां कुटुंब पेंशन किसी अप्राप्तवय को इस विनियम के अधीन अनुदत्त की जाती है, वहां वह अप्राप्तवय की ओर से संरक्षक को संदेय होगी ।

(4) यदि पत्नी और पति दोनों बैंक के कर्मचारी हैं और इस विनियम के उपबंधों द्वारा शासित होते हैं और उनमें से एक की सेवा में रहते हुए या सेवानिवृत्ति के पश्चात् मृत्यु हो जाती है, तो मृत व्यक्ति के संबंध में कुटुंब पेंशन उत्तरजीवी पति या पत्नी को संदेय होगी और उत्तरजीवी पति या पत्नी की मृत्यु की दशा में उत्तरजीवी बालक या संतानों को नीचे विनिर्दिष्ट सीमाओं के अधीन रहते हुए, मृत माता और पिता के संबंध में दो कुटुंब पेंशनों अनुदत्त की जाएंगी, अर्थात् ।

(क) यदि उत्तरजीवी बालक या संतान विनियम 38 के उपविनियम (3) के खंड (क) के उपखंड (i) और खंड (ख) के उपखंड (i) में उल्लिखित दरों पर दो कुटुंब पेंशनों लेने के लिए पात्र है या हैं, तो दोनों पेंशनों की रकम प्रति मास चार हजार आठ सौ रुपए तक सीमित होगी ।

(ख) यदि कुटुंब पेंशनों में से एक विनियम 38 के उपविनियम (3) के खंड (क) के उपखंड (i) या खंड (ख) के उपखंड (i) में उल्लिखित दरों पर संदेय होना बंद हो जाती है और उसके बदले में विनियम 38 के उपविनियम (1) में उल्लिखित दर पर कुटुंब पेंशन संदेय हो जाती है, तो दोनों पेंशनों की रकम भी प्रति मास चार हजार आठ सौ रुपए तक सीमित होगी ।

(ग) यदि दोनों कुटुंब पेंशनें विनियम 38 के उपविनियम (1) में उल्लिखित दर पर संदेय हैं, तो दोनों पेंशनों की रकम प्रति मास दो हजार चार सौ रुपए तक सीमित होंगी ।

5. (क) जहां कुटुंब पेंशन एक से अधिक विधवाओं को संदेय है वहां कुटुंब पेंशन विधवाओं को बराबर भागों में संदत्त की जाएगी ।

(ख) किसी विधवा की मृत्यु पर कुटुंब पेंशन का उसका भाग उसके पात्र बालक को संदेय हो जाएगा :

परंतु यदि विधवा का कोई जीवित बालक नहीं है तो कुटुंब पेंशन का उसका भाग व्यपगत नहीं होगा किंतु बराबर भागों में अन्य विधवाओं को संदेय होगा या यदि केवल एक ऐसी अन्य विधवा है तो पूर्णतः उसको संदेय होगा ।

(ग) जहां मृत कर्मचारी या पेंशन भोगी की विधवा जीवित है किंतु एक अन्य पत्नी से, जो जीवित नहीं है, पात्र बालक या संतानों को पीछे छोड़ जाता है, तो पात्र बालक या संतान उस कुटुंब पेंशन के भाग का/के हकदार होगा/होंगे, जिसको माता प्राप्त करती यदि वह कर्मचारी या पेंशनभोगी की मृत्यु के समय जीवित होती :

परंतु ऐसे किसी बालक या संतानों को या किसी विधवा को संदेय कुटुंब पेंशन का/के भाग के संदेय होने की समाप्ति पर ऐसा/ऐसे भाग व्यपगत नहीं होगा/होंगे, किंतु अन्यथा पात्र विधवा या विधवाओं को या अन्य बालक या बालकों को बराबर भागों में संदेय होंगे या यदि केवल एक विधवा अथवा बालक है, तो पूर्णतः ऐसी विधवा या बालकों को संदेय होंगे ।

(घ) जहां कुटुंब पेंशन जुङवां संतानों को संदेय होती है वहां वह उपविनियम (1) के खंड (च) में विनिर्दिष्ट रीति से ऐसी संतानों को संदत की जाएगी ।

(ङ) इस उपविनियम में उपबंधित के सिवाय, कुटुंब पेंशन एक ही समय में कुटुंब के एक से अधिक सदस्य को संदेय नहीं होगी ।

(6) जहां किसी महिला कर्मचारी या पुरुष कर्मचारी की न्यायिकतः पृथक्कृत पति या पत्नी को पीछे छोड़कर मृत्यु होती है और कोई बालक या संतान नहीं है, वहां मृत व्यक्ति के संबंध में कुटुंब पेंशन उत्तरजीवी व्यक्ति को संदेय होगी :

परंतु उस मामले में जहां न्यायिक पृथक्करण जारकर्म के आधार पर मंजूर किया जाता है और कर्मचारी की मृत्यु ऐसे न्यायिक पृथक्करण की अवधि के दौरान होती है, वहां कुटुंब पेंशन उत्तरजीवी व्यक्ति को संदेय नहीं होगी यदि ऐसा उत्तरजीवी व्यक्ति जारकर्म करने का दोषी अभिनिर्धारित किया गया था ।

(7) (क) जहां किसी महिला कर्मचारी या पुरुष कर्मचारी की बालक या संतानों के साथ न्यायिकतः पृथक्कृत पति या पत्नी पीछे छोड़ कर मृत्यु होती है, वहां मृत व्यक्ति के संबंध में संदेय कुटुंब पेंशन उत्तरजीवी व्यक्ति को संदेय होगी, परंतु तब जब वह ऐसे बालक या संतानों का/ की संरक्षक हो ;

(ख) जहां उत्तरजीवी व्यक्ति ऐसे बालक या संतानों का संरक्षक नहीं रह गया है, वहां ऐसी कुटुंब पेंशन उस व्यक्ति को संदेय होगी, जो ऐसे बालक या संतानों का वास्तविक रूप में संरक्षक हो ।

(8) यदि कुटुंब पेंशन के अनुदान के लिए पात्र पुत्र या अविवाहित पुत्री ने अठारह वर्ष की आयु प्राप्त कर ली है, तो कुटुंब पेंशन ऐसे पुत्र या अविवाहित पुत्री को सीधे संदत् की जा सकेगी ।

(9) (क) यदि कोई व्यक्ति, जो, सेवा में रहते हुए किसी कर्मचारी की मृत्यु की दशा में, इन विनियमों के अधीन कुटुंब पेंशन प्राप्त करने के लिए पात्र है, कर्मचारी की हत्या करने के अपराध या ऐसा अपराध करने के दुष्प्रेरण का आरोपी है, तो ऐसे व्यक्ति का दावा, कुटुंब पेंशन प्राप्त करने के लिए कुटुंब के अन्य पात्र सदस्य या सदस्यों के साथ, उसके विरुद्ध संस्थित दांडिक कार्यवाहियों के निर्णय होने तक, निलंबित रहेगा ।

(ख) यदि खंड (क) में निर्दिष्ट दांडिक कार्यवाहियों के निर्णय पर संबंधित व्यक्ति —

(i) कर्मचारी की हत्या या उसकी हत्या के दुष्प्रेरण का दोषसिद्ध किया जाता है तो ऐसा व्यक्ति कुटुंब पेंशन को प्राप्त करने के विवर्जित किया जाएगा, जो कर्मचारी की मृत्यु की तारीख से कुटुंब के अन्य पात्र सदस्य को संदेय होगी ;

(ii) कर्मचारी की हत्या या उसकी हत्या के दुष्प्रेरण के दोषारोपण से दोषमुक्त हो जाता है, तो कुटुंब पेंशन कर्मचारी की मृत्यु की तारीख से ऐसे किसी व्यक्ति को संदेय होगी ।

(ग) उपखंड (क) और उपखण्ड (ख) के उपबंध कर्मचारी की सेवानिवृति के पश्चात् उसकी मृत्यु पर संदेय होने वाली कुटुंब पेंशन को भी लागू होंगे ।

अध्याय 8

संराशीकरण

40. संराशीकरण — (1) कोई भी कर्मचारी अपनी पेंशन के एक-तिहाई से अनधिक एक भाग को एकमुश्त संदाय के लिए संराशीकृत कराने का हकदार होगा :

परंतु किसी ऐसे कर्मचारी के संबंध में, जो इन विनियमों के विनियम 3 के उपविनियम (4) द्वारा शासित होता है, ऐसे कर्मचारी का कुटुंब भी कर्मचारी को अनुज्ञेय पेंशन के एक-तिहाई से अनधिक एक भाग को एकमुश्त संदाय के लिए संराशीकृत कराने के लिए हकदार होगा ।

(2) कोई भी कर्मचारी पेंशन के उस भाग को उपदर्शित करेगा, जिसको वह संराशीकृत कराना चाहता है और या तो एक-तिहाई की अधिकतम सीमा या ऐसी निम्न सीमा उपदर्शित कर सकेगा, जो वह संराशीकृत कराना चाहता है ।

(3) यदि संराशीकृत किए जाने वाली पेंशन के भाग का एक रूपए के भाग के रूप में होता है, तो रूपए के ऐसे भाग को संराशीकरण के प्रयोजन के लिए छोड़ दिया जाएगा ।

(4) आवेदक को संदेय एक मुश्त राशि की संगणना नीचे दी गई सारणी के अनुसार की जाएगी :-

संराशीकरण सारणी

प्रतिवर्ष 1 रूपए की पेंशन के लिए संराशीकरण मूल्य

अगले जन्म दिन पर आयु	क्रय किए गए वर्षों की संख्या के रूप में अभिव्यक्त संराशीकरण मूल्य	अगले जन्म दिन पर आयु	क्रय किए गए वर्षों की संख्या के रूप में अभिव्यक्त संराशीकरण मूल्य
17.	19.28	52.	12.66
18.	19.20	53.	12.35
19.	19.11	54.	12.05
20.	19.01	55.	11.73
21.	18.91	56.	11.42
22.	18.81	57.	11.10
23.	18.70	58.	10.78
24.	18.59	59.	10.46
25.	18.47	60.	10.13
26.	18.34	61.	9.81
27.	18.21	62.	9.48

28.	18.07	63.	09.15
29.	17.93	64.	08.82
30.	17.71	65.	08.50
31.	17.62	66.	08.17
32.	17.46	67.	07.85
33.	17.29	68.	07.53
34.	17.11	69.	07.22
35.	16.92	70.	06.91
36.	16.72	71.	06.60
37.	16.52	72.	06.30
38.	16.31	73.	06.01
39.	16.09	74.	05.72
40.	15.87	75.	05.44
41.	15.64	76.	05.17
42.	15.40	77.	04.90
43.	15.15	78.	04.65
44.	14.90	79.	04.40
45.	14.64	80.	04.17
46.	14.37	81.	03.94
47.	14.10	82.	03.72
48.	13.82	83.	03.52
49.	13.54	84.	03.32
50.	13.25	85.	03.13
51.	12.95		

टिप्पणी :

(1) उपर्युक्त सारणी पेंशन भोगी के अगले जन्म दिन को उसकी आयु के प्रतिनिर्देश से क्रय किए गए वर्षों की संख्या के रूप में अभिव्यक्त पेंशन का संराशीकृत मूल्य उपदर्शित करती है। अठावन वर्ष की आयु पर सेवानिवृत्त होने वाले कर्मचारी की दशा में संराशीकृत मूल्य 10.46 वर्षों का क्रय है, अतः, यदि वह सेवानिवृत्ति के एक वर्ष के भीतर अपनी पेंशन से एक सौ रुपए संराशीकृत कराता है तो उसको संदेय एकमुश्त रकम $100\text{रु.} \times 10.46 \times 12 = 12552$ रुपए आती है।

(2) कोई भी कर्मचारी, जिसने पेंशन का अनुज्ञेय भाग संराशीकृत करवाया था, संराशीकरण के तारीख से पन्द्रह वर्ष की अवधि के समाप्ति के पश्चात् पेंशन के संराशीकृत भाग को प्रत्यावर्तित कराने का हकदार है।

(3) कोई कर्मचारी, जिसे अधिवर्षिता पेंशन, स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति पेंशन, समयपूर्व सेवानिवृत्ति पेंशन, अनिवार्य सेवानिवृत्ति पेंशन, अशक्त पेंशन या अनुकंपा भत्ता प्राधिकृत है, इन विनियमों के अधीन अपनी पेंशन के भाग को संराशीकृत करवाने का हकदार होगा ।

(4) अधिवर्षिता पेंशन या स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति पर पेंशन या समयपूर्व सेवानिवृत्ति पेंशन के लिए पात्र पेंशनभोगी की दशा में कोई भी चिकित्सीय जांच आवश्यक नहीं होगी, यदि संराशीकरण के लिए आवेदन सेवानिवृत्ति की तारीख से एक वर्ष के भीतर किया जाता है । फिर भी, यदि ऐसा कोई पेंशनभोगी अपनी सेवानिवृत्ति की तारीख से एक वर्ष के पश्चात् पेंशन के संराशीकरण के लिए आवेदन करता है, तो वह उसे चिकित्सीय जांच के अधीन रहते हुए अनुज्ञात की जाएगी ।

स्पष्टीकरण — कोई आवेदक, जो —

- (i) इन विनियमों के विनियम 29 के अधीन अशक्त पेंशन पर सेवानिवृत्त होता है ; या
- (ii) इन विनियमों के विनियम 30 के अधीन अनुकंपा भत्ता प्राप्त करता है ; या
- (iii) बैंक द्वारा अनिवार्यतः सेवानिवृत्त किया जाता है और विनियम 32 के अधीन अनिवार्य सेवानिवृत्त पेंशन के लिए हकदार है,

बैंक द्वारा अनुमोदित चिकित्सा अधिकारी द्वारा उसे उपयुक्त घोषित किए जाने के पश्चात् उपविनियम (1) में विनिर्दिष्ट सीमा के अधीन रहते हुए, अपनी पेंशन का एक भाग संराशीकृत करवाने के लिए पात्र होगा ।

(5) किसी ऐसे कर्मचारी के मामले में पेंशन का संराशीकरण —

(क) अधिवर्षिता पर या स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति पर सेवानिवृत्त होने वाले कर्मचारी की दशा में, जो सेवानिवृत्ति की तारीख के पूर्व पेंशन के संराशीकरण के लिए आवेदन प्रस्तुत करता है, सेवानिवृत्ति की तारीख से आगामी तारीख को अंतिम होगा :

परंतु विनियम 28 के उपविनियम (3) द्वारा शासित कर्मचारी तीन मास की सूचना की समाप्ति के पूर्व अपनी पेंशन के भाग के संराशीकरण के लिए आवेदन नहीं करेगा और पेंशन का संराशीकरण विनियम 28 के उपविनियम (1) में निर्दिष्ट सूचना की अवधि की समाप्ति पर ही अंतिम होगा ।

(ख) अधिवर्षिता पर या स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति पर या समयपूर्व सेवानिवृत्ति पर सेवानिवृत्त होने वाले कर्मचारी की दशा में, यदि वह सेवानिवृत्ति की तारीख के पश्चात् किंतु सेवानिवृत्ति की तारीख से एक वर्ष पूरा होने के पूर्व पेंशन के संराशीकरण के लिए आवेदन करता है, सक्षम प्राधिकारी द्वारा संराशीकरण के लिए आवेदन की प्राप्ति पर अंतिम होगा ।

(ग) अधिवर्षिता पर या स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति पर या समयपूर्व सेवानिवृत्ति पर सेवानिवृत्त होने वाले कर्मचारी की दशा में यदि सेवानिवृत्ति की तारीख से एक वर्ष के पश्चात् पेंशन के संराशीकरण के लिए आवेदन करता है, बैंक द्वारा अनुमोदित चिकित्सा अधिकारी द्वारा दिए गए चिकित्सीय प्रमाणपत्र की तारीख को अंतिम होगा ;

(घ) जो अधिसूचित तारीख के पूर्व सेवानिवृत्त हो चुका है और जो इन विनियमों द्वारा शासित होने का विकल्प देता है, अधिसूचित तारीख को अंतिम होगा और जहां संराशीकरण के लिए आवेदन विनियम 3 के उपविनियम (1) के खंड (ख) द्वारा विनिर्दिष्ट अवधि के भीतर किया जाता है, संराशीकरण बैंक द्वारा अनुमोदित चिकित्सा अधिकारी द्वारा दिए गए चिकित्सीय प्रमाणपत्र की तारीख को अंतिम हो जाएगा ।

(ङ) जिसके संबंध में विनियम 29 के अधीन अशक्त पेंशन या विनियम 30 के अधीन अनुकंपा भत्ता या विनियम 32 के अधीन अनिवार्य सेवानिवृत्ति अनुज्ञेय है, संराशीकरण बैंक द्वारा अनुमोदित चिकित्सा अधिकारी द्वारा दिए गए चिकित्सीय प्रमाणपत्र की तारीख को अंतिम हो जाएगा ।

अध्याय 9

साधारण शर्तें

41. भावी सदाचरण के अधीन पेंशन — भावी सदाचरण पेंशन के प्रत्येक अनुदान की और इन विनियमों के अधीन उसके बृन्दे रहने की एक विवक्षित शर्त होगी ।

42. पेंशन को रोकने या उसे वापस लेना — सक्षम प्राधिकारी लिखित आदेश द्वारा, किसी पेंशन या उसके किसी भाग को, चाहे रक्तायी रूप से या किसी विनिर्दिष्ट अवधि के लिए, रोक सकेगा या वापस ले सकेगा यदि पेंशनभोगी किसी गंभीर अपराध या आपराधिक न्यास भंग या कूटरचना या कपटपूर्वक कार्य करने के लिए दोषसिद्ध ठहराया जाता है या गंभीर अवचार का दोषी पाया जाता है :

परंतु जहां पेंशन का कोई भाग रोक लिया जाता है या वापस लिया जाता है, वहां ऐसी पेंशन की रकम इन विनियमों के अधीन संदेय प्रति मास न्यूनतम पेंशन से कम नहीं की जाएगी ।

43. न्यायालय द्वारा दोषसिद्धि — जहां कोई पेंशनभोगी किसी न्यायालय द्वारा गंभीर अपराध के लिए दोषसिद्ध ठहराया जाता है, वहां ऐसी दोषसिद्धि से संबंधित न्यायालय के निर्णय को देखते हुए कार्रवाई की जाएगी ।

44. गंभीर अवचार का दोषी पेंशनभोगी — विनियम 43 के अधीन न आने वाले मामले में, यदि सक्षम प्राधिकारी का विचार है कि पेंशनभोगी प्रथमदृष्ट्या गंभीर अवचार का दोषी है, तो वह कोई आदेश पारित करने के पूर्व, राष्ट्रीय आवास बैंक कर्मचारी (अनुशासन और अपील) विनियम, 1944 के विनियम 6 में विनिर्दिष्ट प्रक्रिया का अनुपालन करेगा ।

45. अनंतिम पेंशन — (1) कोई कर्मचारी, जो अधिवर्षिता की आयु प्राप्त करने पर या अन्यथा सेवानिवृत्त हो गया है और उसके विरुद्ध कोई विभागीय या न्यायिक कार्यवाहियां संस्थित की जाती हैं या जहां विभागीय कार्यवाहियां जारी रखी जाती हैं, अनंतिम पेंशन, अधिकतम पेंशन के समतुल्य, जो उसको अनुज्ञेय होती, उसको मंजूर किए गए अंतिम सेवानिवृत्ति फायदों में से समायोजन के अधीन रहते हुए कार्यवाहियों की समाप्ति पर अनुज्ञात की जाएगी किंतु वहां कोई वसूली नहीं की जाएगी जहां अंतिमतः मंजूर की गई पेंशन अनंतिम पेंशन से कम है या पेंशन या तो स्थायी रूप से किसी विनिर्दिष्ट अवधि के लिए कम की जाती है या रोक, आदि, दी जाती है ।

(2) ऐसे मामलों में उपदान ऐसे किसी कर्मचारी को तब तक संदर्त नहीं किया जाएगा जब तक उसके विरुद्ध कार्यवाहियों की समाप्ति नहीं हो जाती है । उपदान कार्यवाहियों के विनिश्चय के अधीन रहते हुए, कार्यवाहियों के समापन पर उसको संदर्त किया जाएगा । किसी कर्मचारी से की जाने वाली किन्हीं वसूलियों को संदेय उपदान की रकम में से समायोजित किया जाएगा ।

स्पष्टीकरण — इस अध्याय में, —

(क) “गंभीर अपराध” पद के अंतर्गत, ऐसा अपराध आता है जो शासकीय गुप्त बात अधिनियम, 1923 (1923 का 19) के अधीन कोई अपराध हो ;

(ख) “गंभीर अवचार” पद के अंतर्गत, संसूचना या किसी गुप्त शासकीय संकेत की या संकेत शब्द या कोई स्केच, योजना, प्रतिमान, अनुच्छेद, टिप्पण, दस्तावेज या जानकारी, जैसे शासकीय गुप्त बात अधिनियम, 1923 (1923 का 19) की धारा 5 में उल्लिखित है, जिसे बैंक में पद धारण करते समय अभिप्राप्त किया गया था और जिससे साधारण जनता या राज्य की सुरक्षा के हितों को प्रतिकूलतः प्रभावित किया जा सकता है, आता है ;

(ग) “कपटपूर्वक” पद का वही अर्थ है जो भारतीय दंड संहिता, 1860 (1860 का 45) की धारा 25 के अधीन है ;

(घ) “अपराधिक न्यास-भंग” पद का वही अर्थ है जो भारतीय दंड संहिता, 1860 (1860 का 45) की धारा 405 के अधीन है ;

(ङ) “कूटरचना” पद का वही अर्थ है जो भारतीय दंड संहिता, 1860 (1860 का 45) की धारा 463 के अधीन है ;

46. विभागीय या न्यायिक कार्यवाहियों के दौरान पेंशन का संराशीकरण — कोई कर्मचारी जिसके विरुद्ध विभागीय या न्यायिक कार्यवाहियां उसकी सेवानिवृत्ति की तारीख के पूर्व संस्थित की गई हैं या कोई व्यक्ति जिसके विरुद्ध ऐसी कार्यवाहियां उसकी सेवानिवृत्ति की तारीख के पश्चात् संस्थित की गई हैं, ऐसी कार्यवाहियों के लंबित रहने के दौरान इन विनियमों के अधीन प्राधिकृत, यथास्थिति, अपनी अनंतिम पेंशन अथवा पेंशन के भाग को संराशीकृत करवाने का पात्र नहीं होगा ।

47. बैंक को कारित धनीय हानि की वसूली — (1) सक्षम प्राधिकारी पेंशन या उसके भाग को, चाहे स्थायी रूप से या किसी विनिर्दिष्ट अवधि के लिए रोक या वापस ले सकेगा और बैंक को कारित किसी धनीय हानि की पूर्णतः या भागतः की पेंशन से वसूली का आदेश कर सकेगा यदि पेंशनभोगी किसी विभागीय या न्यायिक कार्यवाही में अपनी सेवा की अवधि के दौरान गंभीर अवचार या उपेक्षा या आपराधिक न्यास-भंग या कूटरचना या कपटपूर्वक कार्य करने का दोषी पाया जाता है :

परंतु कोई अंतिम आदेश पारित करने के पूर्व बोर्ड से परामर्श किया जाएगा :

परंतु यह और कि विभागीय कार्यवाहियां, यदि तब संस्थित की गई थी जब कर्मचारी सेवा में था, कर्मचारी की सेवानिवृत्ति के पश्चात् इन विनियमों के अधीन कार्यवाहियां समझी जाएंगी और उस प्राधिकारी द्वारा जिसके द्वारा वे आरंभ की गई थीं उसी रीति में, जारी रखी जाएंगी और समाप्त की जाएंगी, मानो कर्मचारी सेवा में बना हुआ है ।

परंतु यह भी कि कोई भी विभागीय या न्यायिक कार्यवाहियां, यदि तब आरंभ नहीं की गई थी जब कर्मचारी सेवा में था, उस वाद हेतुक के संबंध में या उस घटना के संबंध में जो ऐसे संस्थित किए जाने के चार वर्ष से अधिक पूर्व उत्पन्न हुआ था या हुई थी, संस्थित नहीं की जाएंगी ।

(2) जहां सक्षम प्राधिकारी पेंशन से धनीय हानि की वसूली का आदेश करता है, वहां वसूली सामान्यतः कर्मचारी की सेवानिवृत्ति की तारीख को अनुज्ञेय पेंशन के एक-तिहाई से अधिक दर पर नहीं की जाएगी :

परंतु जहां पेंशन का कोई भाग रोका या वापस लिया जाता है, वहां पेंशनभोगी द्वारा ली गई पेंशन की रकम इन विनियमों के अधीन संदेय न्यूनतम पेंशन से कम नहीं होगी ।

48. बैंक के शोध्यों की वसूली — बैंक, पेंशन के संराशीकरण मूल्य या पेंशन अथवा कुटुंब पेंशन से गृह-निर्माण त्रण, अग्रिमों, अनुज्ञाप्ति फीसों, अन्य वसूलियों और कर्मचारीवृद्ध सहकारी सोसाइटी को शोध्य वसूलियों के मद्द बैंक के शोध्यों को वसूल करने के लिए हकदार होगा ।

49. सेवानिवृत्ति के पश्चात् ज्ञानिज्ञिक नियोजन — यदि कोई पेंशनभोगी, जो अपनी सेवानिवृत्ति के ठीक पूर्व अधिकारी का पद धारण कर रहा था और अपनी सेवानिवृत्ति की तारीख से दो वर्ष की

समाप्ति के पूर्व कोई वाणिज्यिक नियोजन स्वीकार करने की इच्छा रखता है, वह ऐसी स्वीकृति के लिए बैंक की पूर्व मंजूरी प्राप्त करेगा ।

(2) उपविनियम (3) के उपबंध के अधीन रहते हुए, बैंक लिखित आदेश द्वारा, पेंशनभोगी द्वारा आवेदन करने पर, ऐसी शर्तों के, यदि कोई हों, अधीन रहते हुए जो वह आवश्यक समझे अनुज्ञा अनुदत्त कर सकेगा या आवेदन में विनिर्दिष्ट वाणिज्यिक नियोजन लेने के लिए ऐसे पेंशनभोगी को अनुज्ञा देने से, आदेश में अभिलिखित कारणों से, इंकार कर सकेगा ।

(3) कोई वाणिज्यिक नियोजन लेने के लिए किसी पेंशनभोगी को उपविनियम (2) के अधीन अनुज्ञा अनुदत्त करने या उससे इंकार करने में बैंक निम्नलिखित बातों को ध्यान में रखेगा, अर्थात् —

(क) लिए जाने वाले प्रस्तावित नियोजन की प्रकृति और नियोजक के पूर्ववृत्त ;

(ख) क्या उस नियोजन में उसके कर्तव्य, जिसे वह लेने का प्रस्ताव करता है, ऐसे हो सकते हैं जो उसे बैंक के साथ विरोध में लाएंगे ;

(ग) क्या पेंशनभोगी का, जब सेवा में था, उस नियोजक के साथ जिसके अधीन वह नियोजक चाहता है कोई ऐसा व्यौहार था, चूंकि इससे संदेह के लिए समुचित आधार हो सकते हैं कि ऐसे पेंशनभोगी ने ऐसे नियोजक के लिए पक्षपात किया था ;

(घ) क्या प्रस्तावित वाणिज्यिक नियोजन के कर्तव्यों में बैंक के साथ संबंध या संपर्क कार्य अंतर्विलित है ;

(ङ) क्या उसके वाणिज्यिक कर्तव्य ऐसे होंगे कि बैंक के अधीन उसकी पूर्व शासकीय स्थिति या ज्ञान या अनुभव प्रस्तावित नियोजक को अनुचित फायदा देने के लिए उपभोग किया जा सकता है ;

(च) प्रस्तावित नियोजक द्वारा प्रस्थापित उपलब्धियां ; और

(छ) कोई अन्य सुसंगत बात ।

(4) जहां उपविनियम (3) के अधीन किसी आवेदन की प्राप्ति की तारीख से साठ दिन की अवधि के भीतर बैंक आवेदित अनुज्ञा अनुदत्त करने से इंकार नहीं करता है या आवेदक को इंकार की संसूचना नहीं देता है, वहां आवेदित अनुज्ञा बैंक द्वारा अनुदत्त की गई समझी जाएगी :

परंतु ऐसी दशा में जहां आवेदक द्वारा त्रुटिपूर्ण या अपर्याप्त जानकारी प्रस्तुत की जाती है और उससे अतिरिक्त स्पष्टीकरण या जानकारी मांगना बैंक के लिए आवश्यक हो जाता है, वहां

साठ दिन की अवधि की गणना उस तारीख से की जाएगी जिसको आवेदक द्वारा त्रुटियां हटा दी जाती है या पूर्ण जानकारी प्रस्तुत की गई है ।

(5) जहां बैंक किन्हीं शर्तों के अधीन रहते हुए आवेदित अनुज्ञा अनुदत्त करता है या ऐसी अनुज्ञा से इंकार करता है, वहां आवेदक उस आशय के बैंक के आदेश की प्राप्ति की तारीख के तीस दिन के भीतर किसी ऐसी शर्त या इंकार के विरुद्ध एक अभ्यावेदन कर सकेगा और बैंक उस पर ऐसे आदेश कर सकेगा जो वह ठीक समझे :

परंतु ऐसी शर्त को रद्द करने या किन्हीं शर्तों के बिना ऐसी अनुज्ञा अनुदत्त करने के आदेश से भिन्न कोई भी आदेश, किए जाने वाले प्रस्तावित आदेश के विरुद्ध कारण दर्शित करने के लिए अभ्यावेदन करने वाले पेंशनभोगी को अवसर दिए बिना, इस उपविनियम के अधीन नहीं किया जाएगा ।

(6) यदि कोई पेंशनभोगी बैंक की पूर्व अनुज्ञा के बिना अपनी सेवानिवृत्ति की तारीख से दो वर्ष की समाप्ति के पूर्व किसी भी समय कोई वाणिज्यिक नियोजन ग्रहण करता है या इस विनियम के अधीन उसको अनुदत्त की गई किसी वाणिज्यिक नियोजन को ग्रहण करने की ऐसी अनुज्ञा की किसी शर्त को भंग करता है, तो बैंक के लिए लिखित में आदेश द्वारा और उसमें अभिलिखित किए जाने वाले कारणों से यह घोषणा करना सक्षम होगा कि वह पेंशन के संपूर्ण या ऐसे भाग के लिए हकदार नहीं होगा, जो आदेश में विनिर्दिष्ट किया जाए :

परंतु ऐसा कोई भी आदेश संबंधित पेंशनभोगी को ऐसी घोषणा के विरुद्ध कारण दर्शित करने का अवसर दिए बिना नहीं किया जाएगा :

परंतु यह और कि इस उपविनियम के अधीन कोई आदेश करने में बैंक निम्नलिखित बातों को ध्यान में रखेगा, अर्थात् :-

- (i) संबंधित पेंशनभोगी की वित्तीय परिस्थितियां ;
- (ii) संबंधित पेंशनभोगी द्वारा ग्रहण किए जाने वाले वाणिज्यिक नियोजन की प्रकृति और उससे उपलब्धियां ; और
- (iii) कोई अन्य सुसंगत बात ।

(7) इस विनियम के अधीन बैंक द्वारा पारित प्रत्येक आदेश संबंधित पेंशनभोगी को संसूचित किया जाएगा ।

(8) इस विनियम में “वाणिज्यिक नियोजक” पद से निम्नलिखित अभिप्रेत है —

(i) किसी भी हैसियत में जिसमें अभिकर्ता की हैसियत भी सम्मिलित है, कोई नियोजन, किसी कंपनी (जिसमें बैंककारी कंपनी सम्मिलित है) सहकारी सोसाइटी फर्म के अधीन या, व्यापार, वाणिज्य, उद्योग, वित्तीय या वृत्तिक कारबार में लगा हुआ व्यष्टि और इसके अंतर्गत ऐसी कंपनी (जिसमें बैंककारी कंपनी भी सम्मिलित है) का निदेशक पद और ऐसी फर्म की भागीदारी भी सम्मिलित है किंतु इसके अंतर्गत केंद्रीय सरकार या किसी राज्य सरकार के पूर्णतः या सारतः खामित्व में या उसके द्वारा नियंत्रित किसी निगमित निकाय के अधीन नियोजन सम्मिलित नहीं है ;

(ii) या तो स्वतंत्र रूप में या फर्म के भागीदार के रूप में, उन विषयों में सलाहकार या परामर्शी के रूप में व्यवसाय स्थापित करना जिनके संबंध में पेंशनभोगी की —

(अ) कोई वृत्तिक अहताएं नहीं हैं और वे विषय, जिनके संबंध में व्यवसाय स्थापित किया जाना है या किया जा रहा है, उसके शासकीय ज्ञान या अनुभव से संबंधित है ; या

(आ) वृत्तिक अहताएं हैं किंतु वे विषय जिनके संबंध में ऐसा व्यवसाय स्थापित किया जाना है ऐसे हैं जो उसकी पूर्व शासकीय हैसियत के कारण अपने मुवक्किलों को अनुचित फायदा देने वाले हो सकते हैं ; या

(इ) उसको ऐसा कार्य करना है जिसमें बैंक के कार्यालयों या अधिकारियों से संबंध या संपर्क अंतर्वलित है ।

संपूर्णीकरण — इस खंड के प्रयोजन के लिए “सहकारी सोसाइटी के अधीन नियोजन” पद के अंतर्गत कोई भी पद, चाहे वह निर्वाचन पद हो या अन्यथा, जैसे कि प्रधान, अध्यक्ष, प्रबंधक, सचिव, खजांची और वैसा ही कोई पद, चाहे वह ऐसी सोसाइटी में किसी भी नाम से ज्ञात हो, धारण करना आता है ।

50. नामनिर्देशन — (1) न्यास, पेंशन संबंधी फायदों की रकम को प्राप्त करने का अधिकार एक या अधिक व्यक्तियों को प्रदत्त करने के लिए इन विनियमों द्वारा शासित प्रत्येक कर्मचारी को एक नामनिर्देशन करना अनुज्ञात करेगा और रकम जब संदेय हो जाती है या संदेय हो गई है किंतु संदत्त नहीं की गई है, उससे पूर्व कर्मचारी की मृत्यु होने की दशा में इन विनियमों के अधीन उसे प्राप्त करेगा । ऐसा नामनिर्देशन ऐसे प्ररूप में किया जाएगा जो बैंक द्वारा समय-समय पर विनिर्दिष्ट किया जाए ।

(2) यदि कोई कर्मचारी उपविनियम (1) के अधीन एक से अधिक व्यक्ति नामनिर्दिष्ट करता है तो वह अपने नामनिर्देशन में उन पेशन संबंधी फायदों की, जो उसकी मृत्यु की दशा में संदेय हों, संपूर्ण रकम को ऐसी रीति में प्रत्येक नामनिर्देशिती को संदेय रकम या उसका अंश विनिर्दिष्ट करेगा, जिससे उन फायदों की संपूर्ण रकम उसके अंतर्गत आ जाए ।

(3) किसी कर्मचारी द्वारा किया गया नामनिर्देशन, उसके द्वारा किसी भी समय उपांतरित या विखंडित किया जा सकेगा किंतु ऐसा, अपने आशय की न्यास को लिखित में सूचना देने के पश्चात् ऐसे प्रस्तुप में, जो बैंक समय-समय पर विनिर्दिष्ट करें, कर सकेगा ।

(4) नामनिर्देशन या उसको विखंडन या उसका उपांतरण उस विस्तार तक प्रभावी होगा, जिस तक वह उस तारीख को, जिसकौ वह न्यास द्वारा प्राप्त किया जाता है, विधिमान्य है ।

51. वह तारीख जिसको पेंशन संदेय होती है -- (1) उस कर्मचारी के मामले को छोड़कर, जिसको विनियम 42 और विनियम 45 के उपबंध लागू होते हैं, कुटुंब पेंशन से भिन्न पेंशन उस तारीख से अगली तारीख से, जिसको कर्मचारी सेवानिवृत्त होता है या अधिसूचित तारीख, इनमें जो भी पश्चात्वर्ती हो, संदेय हो जाएगी ।

(2) कुटुंब पेंशन कर्मचारी या पेंशनभोगी की मृत्यु की तारीख से अगली तारीख से या अधिसूचित तारीख से, इनमें जो भी पश्चात्वर्ती हो, संदेय हो जाएगी ।

(3) पेंशन, जिसमें कुटुंब पेंशन सम्मिलित है, उस दिन को जिसको उसके प्राप्तकर्ता की मृत्यु हो जाती है, संदेय हो जाएगी ।

52. करेंसी, जिसमें पेंशन संदेय है -- इन विनियमों के अधीन अनुदेश सभी पेंशनें केवल भारत में रुपयों में संदेय होगी ।

53. पेंशन की संवाध की रूपी -- मासिक द्वार पर नियत कोई पेंशन आगामी मास के प्रथम दिन को या उसके पश्चात् मासिक रूप में संदेय होगी ।

54. अनुदेश जारी करने की शक्ति -- बैंक का अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक समय-समय पर ऐसे अनुदेश जारी कर सकेगा जो इन विनियमों के कार्यान्वयन के लिए आवश्यक या समीचीन समझे जाएं ।

55. अवशिष्ट उपबंध -- संदेह की दशा में इन विभिन्नमौ को लागू करने के विषय में केंद्रीय सरकार के कर्मचारियों को लागू केंद्रीय सिविल सेवा नियम, 1972 या केंद्रीय सिविल सेवा (पेंशन का संराशीकरण) नियम, 1981 के तत्त्वानी उपबंधों को, ऐसे अपवादों और उपांतरणों के साथ, जैसे बैंक केंद्रीय सरकार की पूर्व मंजूरी से समय-समय पर अनुधारित करे, ध्यान में रखा जाएगा ।

परिशिष्ट 1
(विनियम 34 देखें)

(क) उन कर्मचारियों की बाबत, जो 9.7.1988 से 30.6.1993 की अवधि के दौरान सेवानिवृत्त हुए हैं, आधारिक पेंशन को अद्यतन करने का सूत्र निम्नानुसार होगा :-

वेतन (600 पाइंट तक मंहगाई भत्ते के विलयन के प्रतिनिर्देश से) धन 600 पाइंट से ऊपर मंहगाई ।

(ख) उन अधिकारियों की बाबत, जो 1 जुलाई, 1993 को या उसके पश्चात् किंतु 1 मई, 1994 के पूर्व सेवानिवृत्त हुए हैं, आधारिक पेंशन को अद्यतन करने का सूत्र :-

(1) अर्हक सेवा के अंतिम 10 मास के दौरान मास/मासों के लिए पुराने वेतनमान के अनुसार लिए गए वेतन का योग रुपए

(2) ऊपर (1) में संगणित वेतन प्रत्येक मास के लिए वस्तुतः लिए गए मंहगाई भत्ते या 1148 पाइंट पर मंहगाई भत्ते का, इनमें से जो भी कम हो, योग रुपए

(3) ऊपर (1) के अनुसार लिए गए वेतन का योग धन ऊपर (2) के अनुसार लिए गए मंहगाई भत्ते का योग रुपए

(4) उस मास को सम्मिलित करते हुए, जिसमें कर्मचारी सेवानिवृत्त हुआ, अर्हक सेवा के अंतिम 10 मास के दौरान मास/मासों के लिए संशोधित वेतनमान के अनुसार लिए गए वेतन का योग रुपए

(5) ऊपर स्तंभ (3) और (4) का योग रुपए

(6) पेंशन के प्रयोजन के लिए औसत उपलब्धियाँ, अर्थात्

ऊपर (5) के अनुसार योग

10 रुपए

(7) अद्यतन आधारिक पेंशन अर्थात्

ऊपर (6) का 50% x अर्हक सेवा के वर्षों की संख्या

33 रुपए

(8) आधारिक पेंशन (अगले उच्चतर रुपए तक पूर्णांकित)

..... रुपए

परिशिष्ट 2
(विनियम 36 देखें)

आधारिक पेंशन पर मंहगाई राहत निम्नानुसार होगी :-

(1) ऐसे कर्मचारियों के मामले में, जो 9 जुलाई, 1988 को या उसके पश्चात् किंतु 1 नवंबर, 1993 के पूर्व सेवानिवृत्त हुए थे, मंहगाई राहत $1960 = 100$ आवलियों में औद्योगिक कर्मकारों के लिए अखिल भारतीय औसत उपभोक्ता मूल्य सूचकांक की त्रैमासिक औसत में 600 पाइंट के ऊपर प्रत्येक 4 पाइंट की, यथास्थिति, प्रत्येक बढ़ोतरी के लिए संदेय या प्रत्येक गिरावट के लिए वसूलीय होगी। उक्त प्रत्येक चार पाइंट के लिए मंहगाई राहत में ऐसी बढ़ोतरी या कमी को नीचे दी गई रीति में संगणित किया जाएगा :-

प्रति मास आधारिक पेंशन मापमान	आधारिक पेंशन की प्रतिशतता के रूप में मंहगाई राहत की दर
(1)	(2)
(i) 1250 रु. तक	0.67 प्रतिशत
(ii) 1251 रु. से 2000 रु. तक	1250 रु. का 0.67 प्रतिशत धन 1250 रु. के आधिक्य में आधारिक पेंशन का 0.55 प्रतिशत।
(iii) 2001 रु. से 2130 रु. तक	1250 रु. का 0.67 प्रतिशत धन 2000 रु. और 1250 रु. के बीच अंतर का 0.55 प्रतिशत धन 2000 रु. के आधिक्य में आधारिक पेंशन का 0.33 प्रतिशत।
(iv) 2130 रु. से ऊपर	1250 रु. का 0.67 प्रतिशत धन 2000 रु. और 1250 रु. के बीच अंतर का 0.55 प्रतिशत धन 2130 रु. और 2000 रु. के बीच अंतर का 0.33 प्रतिशत धन 2130 के आधिक्य में आधारिक पेंशन का 0.17 प्रतिशत।

(2) ऐसे कर्मचारियों के मामले में, जो 1 नवंबर, 1993 को या उसके पश्चात् सेवानिवृत्त होते हैं, महंगाई राहत 1960 = 100 आवलियों में औद्योगिक कर्मकारों के लिए अखिल भारतीय औसत उपभोक्ता मूल्य सूचकांक की त्रैमासिक औसत में 1148 पाइंट के ऊपर प्रत्येक 4 पाइंट की, यथास्थिति, प्रत्येक बढ़ोतरी के लिए संदेय या प्रत्येक गिरावट के लिए वसूलीय होगी । उक्त प्रत्येक चार पाइंट के लिए मंहगाई राहत में ऐसी बढ़ोतरी या कमी को नीचे दी गई शैति में संगणित किया जाएगा :-

प्रति मास आधारिक पेशन आधारिक पेशन की प्रतिशतता के रूप में मंहगाई राहत की दर मापमान

(1)

(2)

(i) 2400 रु० तक	0.35 प्रतिशत ।
(ii) 2401 रु० से 3850 रु० तक	2400 रु० का 0.35 प्रतिशत धन 2400 रु० के आधिक्य में आधारिक पेशन का 0.29 प्रतिशत ।
(iii) 3851 रु० से 4100 रु० तक	2400 रु० का 0.35 प्रतिशत धन 3850 रु० और 2400 रु० के बीच अन्तर का 0.29 प्रतिशत धन 3850 रु० के आधिक्य में आधारिक पेशन का 0.17 प्रतिशत ।
(iv) 4100 रु० से ऊपर	2400 रु० का 0.35 प्रतिशत धन 3850 रु० और 2400 रु० के बीच अन्तर का 0.29 प्रतिशत धन 4100 रु० और 3850 रु० के बीच का 0.17 प्रतिशत धन 4100 रु० के आधिक्य में आधारिक पेशन का 0.09 प्रतिशत ।

(3) महंगाई राहत पूर्व वर्ष के अक्टूबर, नवंबर और दिसंबर मास के लिए प्रकाशित सूचकांकों की त्रैमासिक औसत पर फरवरी के पहले दिन से आरंभ होने वाले और जुलाई के 31वें दिन को समाप्त होने वाले अर्ध वर्ष के लिए संदेय होगी और उसी वर्ष के अप्रैल, मई और जून मास के लिए प्रकाशित सूचकांकों की त्रैमासिक औसत पर अगस्त के पहले दिन से आरंभ होने वाले और जनवरी के 31वें दिन को समाप्त होने वाले अर्ध वर्ष के लिए संदेय होगी ।

(4) कुटुम्ब पेशन, अशक्त पेशन और अनुकंपा भत्ते के मामले में मंहगाई राहत ऊपर उल्लिखित दरों के अनुसार संदेय होगी ।

(5) मंहगाई राहत, संरक्षकरण के पश्चात् भी, पूर्ण आधारिक पेशन पर अनुज्ञात की जाएगी ।

परिशिष्ट 3
(विनियम 38 देखें)

कुटुम्ब पेंशन की सामान्य दरें निम्नानुसार होंगी :-

(क) 1.07.1993 के पूर्व सेवानिवृत्त कर्मचारियों की बाबत :

प्रतिमास वेतनमान	मासिक कुटुम्ब पेंशन की रकम
(1)	(2)
1500 रु० तक	<p>“वेतन” का 30 प्रतिशत आधारिक कुटुम्ब पेंशन होगी धन ऐसे भतों का 30 प्रतिशत जिनकी भविष्य निधि में अभिदाय करने के लिए गणना की जाती है किन्तु मंहगाई भते के लिए नहीं की जाती है, अतिरिक्त कुटुम्ब पेंशन होगी । आधारिक और अतिरिक्त कुटुम्ब पेंशन का सकल योग 375 रु० प्रति मास से कम नहीं होगा ।</p>
1501 रु० से 3000 रु० तक	<p>“वेतन” का 20 प्रतिशत आधारिक कुटुम्ब पेंशन होगी धन ऐसे भतों का 20 प्रतिशत जिनकी भविष्य निधि में अभिदाय करने के लिए गणना की जाती है किन्तु मंहगाई भते के लिए नहीं की जाती है, अतिरिक्त कुटुम्ब पेंशन होगी । आधारिक और अतिरिक्त कुटुम्ब पेंशन का सकल योग 450 रु० प्रति मास से कम नहीं होगा ।</p>
3000 रु० से ऊपर	<p>“वेतन” का 15 प्रतिशत आधारिक कुटुम्ब पेंशन होगी धन ऐसे भतों का 15 प्रतिशत जिनकी भविष्य निधि में अभिदाय करने के लिए गणना की जाती है किन्तु मंहगाई भते के लिए नहीं की जाती है, अतिरिक्त कुटुम्ब पेंशन होगी । आधारिक और अतिरिक्त कुटुम्ब पेंशन का सकल योग 600 रु० प्रति मास से कम और 1250 रु० प्रति मास से अधिक नहीं होगा ।</p>

(ख) 1.7.1993 को या उसके पश्चात् सेवानिवृत्त या सेवानिवृत्त होने वाले कर्मचारियों की बाबत —

प्रतिमास वेतनमान	मासिक कुटुम्ब पेंशन की रकम
(1)	(2)
2870 रु० तक	<p>“वेतन” का 30 प्रतिशत आधारिक कुटुम्ब पेंशन होगी धन ऐसे भतों का 30 प्रतिशत जिनकी भविष्य निधि में अभिदाय करने के लिए गणना की जाती है किन्तु मंहगाई भते के लिए नहीं की जाती है, अतिरिक्त कुटुम्ब पेंशन होगी । आधारिक और अतिरिक्त कुटुम्ब पेंशन का सकल योग</p>

720 रु० प्रति मास के न्यूनतम के अधीन रहते हुए होगा ।

2871 रु० से 5740 रु० “वेतन” का 20 प्रतिशत आधारिक कुटुम्ब पेंशन होगी धन ऐसे भतों का तक

20 प्रतिशत जिनकी भविष्य निधि में अभिदाय करने के लिए गणना की जाती है किन्तु मंहगाई भत्ते के लिए नहीं की जाती है, अतिरिक्त कुटुम्ब पेंशन होगी । आधारिक और अतिरिक्त कुटुम्ब पेंशन का सकल योग

860 रु० प्रति मास के न्यूनतम के अधीन रहते हुए होगा ।

5740 रु० से ऊपर

“वेतन” का 15 प्रतिशत आधारिक कुटुम्ब पेंशन होगी धन ऐसे भतों का 15 प्रतिशत जिनकी भविष्य निधि में अभिदाय करने के लिए गणना की जाती है किन्तु मंहगाई भत्ते के लिए नहीं की जाती है, अतिरिक्त कुटुम्ब पेंशन होगी । आधारिक और अतिरिक्त कुटुम्ब पेंशन का सकल योग न्यूनतम 1150 रु० प्रति मास और अधिकतम 2400 रु० प्रति मास के अधीन रहते हुए होगा ।

बोर्ड के आदेश से,

वी. श्रीधर, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

[सं. विज्ञापन-3/4/असाधारण/157/03]

NATIONAL HOUSING BANK

NOTIFICATION

New Delhi, the 7th May, 2003

No. NHB/DHRD&A/111.—In exercise of the powers conferred by clause (i) of Sub-section (2) of Section 55 of the National Housing Bank Act, 1987 (53 of 1987), the Board of Directors of the National Housing Bank with the previous approval of Reserve Bank of India and in consultation with the Central Government, hereby make the following regulations, namely :—

CHAPTER I

PRELIMINARY

1. **Short title and commencement.**—(1) These regulations may be called the National Housing Bank (Employees') Pension Regulations, 2003.

(2) Save as otherwise expressly provided in these regulations, they shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Definitions. – In these regulations, unless the context otherwise requires, –

- (a) “Act” means the National Housing Bank Act, 1987 (53 of 1987);
- (b) “actuary” shall have the meaning assigned to it in clause (1) of section 2 of the Insurance, Act, 1938 (4 of 1938);
- (c) “Appendix” means, an Appendix annexed to these regulations;
- (d) “average emoluments” means the average of the pay drawn by an employee during the last ten months of his service in the Bank;
- (e) “Bank” means “the National Housing Bank”;
- (f) “child” means a child of the employee, who, if a son is under twenty-five years of age and if a daughter, is unmarried and is under twenty-five years of age and the expression “children” shall be construed accordingly;
- (g) “competent authority” means Chairman and Managing Director of the Bank or any other authority that may be designated by the Board for the purpose of these regulations;
- (h) “contribution” means any sum credited by the Bank on behalf of employee to the Provident Fund, but shall not include any sum credited as interest;
- (i) “date of retirement” means the last date of the month in which an employee attains the age of superannuation or the date on which he is retired by the Bank or the date on which the employee voluntarily retires; or the date on which the officer is deemed to have retired;
- (j) “deemed to have retired” means cessation from service of the Bank on appointment by Central Government as a whole-time Director or Managing Director or Chairman in the Bank or in any other bank specified in column 2 of the First Schedule to the Act or the Banking Companies (Acquisition and Transfer of Undertakings) Act, 1970 (5 of 1970) or the Banking Companies (Acquisition and Transfer of Undertakings) Act, 1980 (40 of 1980) or in any public financial institution or the State Bank of India established under State Bank of India Act, 1955 (23 of 1955);

- (k) "Discipline and Appeal Regulations" means the National Housing Bank Employees' (Discipline and Appeal) Regulations, 1994;
- (l) "employee" means any person employed in the service of the Bank on full time work on permanent basis and who opts and is governed by these regulations, but does not include a person employed either on contract basis or daily wage basis;
- (m) "family" in relation to an employee means, -
 - (a) wife in the case of a male employee or husband in the case of a female employee;
 - (b) a judicially separated wife or husband, such separation not being granted on the ground of adultery and the person surviving was not held guilty of committing adultery;
 - (c) son who has not attained the age of twenty-five years and unmarried daughter who has not attained the age of twenty-five years, including such son or daughter adopted legally;
- (n) "financial year" means a year commencing on 1st day of July or such other date as may be determined by the Board;
- (o) "Fund" means the National Housing Bank (Employees') Pension Fund constituted under regulation 5;
- (p) "notified date" means the date on which these Regulations are published in the Official Gazette.
- (q) "pay" includes,-
 - (i) the basic pay including stagnation increments, if any; and
 - (ii) all allowances counted for the purpose of making contribution to the provident fund and for the payment of dearness allowance; and
 - (iii) increment component of fixed personal allowance, if any; and
 - (iv) dearness allowance calculated upto Index Number 1148 in the All India Average Consumer Price Index for Industrial Workers in the series 1960=100;
- (r) "pension" includes basic pension and additional pension referred to in *Chapter VI* of these regulations.
- (s) "pensioner" means an employee eligible for pension under these regulations;
- (t) "provident fund" means Reserve Bank of India Provident Fund;
- (u) "public financial institution" means a financial institution regarded as a public financial institution for the purpose of section 4A of the Companies Act, 1956 (1 of 1956);

- (v) "qualifying service" means the service rendered while on duty or otherwise which shall be taken into account for the purpose of pension under these regulations;
- (w) "retired" includes deemed to have retired under clause (j) of regulation 2.
- (x) "retirement" means cessation from Bank's service, -
 - (a) on attaining the age of superannuation specified in National Housing Bank (Officers') Service Regulations, 1997;
 - (b) on voluntary retirement in accordance with provisions contained in regulation 28 of these regulations;
 - (c) on premature retirement by the Bank before attaining the age of superannuation specified in the National Housing Bank (Officers') Service Regulations, 1997;
- (y) "Trust" means the trust of the National Housing Bank (Employees') Pension Fund constituted under sub-regulation (1) of regulation 5;
- (z) "Trustee" means trustees of the National Housing Bank (Employees') Pension Fund constituted under sub-regulation (1) of regulation 5
- (za) "Trustee of the provident fund" means the trustee of the provident fund of the Reserve Bank of India;
- (zb) All other words and expressions used in these regulations but not defined, and defined in the Act or the National Housing Bank (Officers') Service Regulations, 1997 shall have the same meanings respectively assigned to them in the Act or the said regulations, as the case may be.

CHAPTER II

APPLICATION AND ELIGIBILITY

3. Application. — These regulations shall apply to those employees who,-

- (1) (a) were in the service of the Bank on or after the 9th day of July, 1988 but had retired before the notified date; and
 - (b) exercise an option in writing, within one hundred and twenty days from the notified date to become the member of the Fund; and
 - (c) refund within sixty days after the expiry of the said period of one hundred and twenty days specified in sub-regulation (b), the entire amount of the Bank's contribution to the provident fund including interest accrued thereon together with a further simple interest at the rate of six per cent. per annum on the said amount from the date of settlement of the provident fund till the date of refund of the aforesaid amount to the Bank;
- (2) (a) were in the service of the Bank before the notified date and continue to be in the service of the Bank on or after the notified date; and
 - (b) exercise an option in writing within one hundred twenty days from the notified date to become member of the Fund; and

(c) authorise the trust of the provident fund of the Bank to transfer the entire contribution of the Bank alongwith the interest accrued thereon to the credit of the Fund constituted for the purpose under regulation 5; or

(3) join the service of the Bank on or after the notified date; or

(4) were in the service of the Bank during any time on or after the 9th day of July, 1988, and died while in service or after retirement before the notified date in which case their families shall be entitled to pension or family pension, as the case may be, under these regulations, if the family of the deceased, -

(a) excercise an option in writing within one hundred and twenty days from the notified date to become member of the Fund; and

(b) refund within sixty days of the expiry of the said period of one hundred twenty days, specified in clause (a) above, the entire amount of the Bank's contribution to the provident fund and interest accrued thereon together with a further simple interest at the rate of six per cent. per annum from the date of settlement of the provident fund account till the date of refund of the aforesaid amount to the Bank.

(5) These regulations shall also apply to the family of the deceased employees who joined the service of the Bank on or after the 9th day of July, 1988 but died while in service of the Bank before the notified date, in respect of family pension under these regulations, if the family of such deceased employee –

(i) refunds within one hundred and twenty days from the notified date the entire amount of the Bank's contribution to the provident fund, if any, and interest accrued thereon together with further simple interest at the rate of six per cent. per annum from the date of settlement of the provident fund account till the date of refund of the aforesaid amount to the Bank;

(ii) applies in writing for grant of family pension.

4. Option to subscribe to the Provident Fund. – (1) Notwithstanding anything contained in sub-regulation (3) of regulation 3, an employee who joins the service of the Bank on or after the notified date at the age of thirty five years or more, may, within a period of ninety days from the date of his appointment, elect to forgo his right to pension, whereupon these regulations shall not apply to him.

(2) The option referred to in sub-regulation (1) of regulation 3 once exercised, shall be final.

CHAPTER III

THE FUND

5. Constitution of the Fund. – (1) The Bank shall constitute a Fund to be called the "National Housing Bank (Employees') Pension Fund" under an irrevocable trust within one hundred twenty days from the notified date.

(2) The Fund shall have for its sole purpose the provision of the payment of pension or family pension in accordance with these regulations to the employee or his family.

(3) The Bank shall be a contributor to the Fund and shall ensure that sufficient sums are placed in it to enable the trustees to make due payments to beneficiaries under these regulations.

6. Liability to transfer provident fund balance to the Trust. – The Bank shall, immediately after the constitution of the Fund, cause to transfer to the Fund, the accumulated balance of the contribution of the Bank to the Reserve Bank of India Employees' Provident Fund and interest accrued thereon up to the date of such transfer in respect of every employee governed by these regulations.

7. Composition of the Fund. – The Fund shall consist of the following namely -

- (a) the contribution by the Bank at the rate of ten per cent. per month of the pay of the employee;
- (b) the accumulated contributions of the Bank to the Reserve Bank of India Employees' Provident Fund and interest accrued thereon upto the date of such transfer in respect of the employees including the amount of provident fund and interest thereon (employer's contribution) received from the previous employer and interest thereon is deposited with the Trust by the employee, in case he has joined the bank's service from the Reserve Bank of India or any other public sector bank or institution;
- (c) the amount consisting of the contributions of the Bank along with interest refunded by the employees who had retired before the notified date but who opt for pension in accordance with the provisions contained in these regulations;
- (d) the investment in annuities or securities purchased out of the moneys of the Fund and interest thereon;
- (e) amount of any capital gains arising from sale of the capital assets of the Fund;
- (f) the additional annual contribution made by the Bank in accordance with the provisions contained in regulation 11 of these regulations;
- (g) any income from investments of the amounts credited to the Fund;
- (h) the amount consisting of contribution of the Bank along with interest refunded by the family of the deceased employee.

8. Board of Trustees. – (1) The Board of trustees shall consist of such number of persons not less than three and not more than nine, as may be determined by the Board, to be appointed by the Bank.

(2) The power to appoint the trustees shall be vested with the Bank and all such appointments shall be made in writing.

(3) The Bank shall nominate one of the trustees to be the Chairman of the Board of trustees. The Bank shall also nominate a trustee to be an alternate Chairman who shall act as Chairman in the absence of the Chairman.

9. Trustees to carry out the directions of the Bank. – The trustees shall comply with all such directions as may be given by the Bank for the proper functioning of the Fund.

10. Books of accounts of the Fund. — (1) The accounts of the Fund shall contain the particulars of all financial transactions relating to the Fund in such form as may be specified by the Bank.

(2) Within one hundred and eighty days from the closing of each financial year, the Trust shall prepare a financial statement of the Trust indicating therein the general account of assets and liabilities of the Trust and forward a copy of the same to the Bank.

(3) The accounts of the Fund shall be audited in accordance with the provisions of section 40 of the Act.

11. Actuarial investigation of the Fund. — The Bank shall cause an investigation to be made by an actuary into the financial condition of the Fund every financial year, on the 30th day of June, and make such additional annual contributions to the Fund as may be required to secure payment of the benefits under these regulations:

Provided that the Bank shall cause an investigation to be made by an actuary into the financial condition of the Fund, as on the 30th day of June or such other date as may be decided by the Board, immediately following the financial year in which the Fund is constituted.

12. Investment of the Fund. — All moneys contributed to the Fund or received or accruing after that date by way of interest or otherwise to the Fund, may be deposited in a Post Office Savings Bank Account in India or in a current account with any scheduled bank or utilised in accordance with the provisions of the Indian Trust Act, 1882 (2 of 1882).

13. Payment out of the Fund. — The payment of benefits by the Trust shall be administered for grant of pensionary benefits to the employees of the Bank or the family pension to the families of the deceased employees.

CHAPTER IV

QUALIFYING SERVICE

14. Qualifying Service. — Subject to the other conditions contained in these regulations, an employee who has rendered a minimum of ten years of service in the Bank on the date of his retirement or the date on which he is deemed to have retired shall qualify for pension.

15. Commencement of qualifying service. — Subject to the provisions contained in these regulations, qualifying service of an employee shall commence from the date he takes charge of the post to which he is first appointed on a permanent basis in the Bank.

16. Counting of service on probation. — Service on probation against a post in the Bank if followed by confirmation in the same or any other post shall qualify.

17. Counting of periods spent on leave. — All leave during service in the Bank for which leave salary is payable shall count as qualifying service:

Provided that extraordinary leave on loss of pay shall not count as qualifying service except when the sanctioning authority has directed that such leave not exceeding twelve months during the entire service, may count as service for all purposes including pension.

18. Broken period of service of less than one year. – If the period of service of an employee includes broken period of service less than one year, then if such broken period is more than six months, it shall be treated as one year and if such broken period is six months or less it shall be ignored:

Provided that provision of this regulation shall not be applied for determining the minimum service required to make an employee eligible for pension.

19. Counting of period spent on training. – The period spent by an employee on training in the Bank immediately before his appointment shall count as qualifying service.

20. Period of service in Reserve Bank of India etc. – In case of employees who have joined the service of the Bank from the Reserve Bank of India or any other public sector institution, the qualifying service shall commence from the date on which they joined the service of the Reserve Bank of India or such other institution on permanent basis, if the amount of provident fund (employers' contribution and interest thereon) received from the previous employer and interest thereon is deposited in the Fund. In all other cases the services rendered in the Bank only shall be considered qualifying service for the purpose of pensionary benefits.

21. Period of suspension. – The period of suspension of an employee pending enquiry shall count for qualifying service, where on conclusion of such enquiry, he has been fully exonerated or the suspension is held to be wholly unjustified, and in other cases, the period of suspension shall not count as qualifying service unless the competent authority passing the orders under the National Housing Bank Employees' (Conduct) Regulations, 1994 and the National Housing Bank Employees' (Discipline and Appeals) Regulations, 1994 expressly declares at the time that it shall count to such extent as such authority may declare.

22. Forfeiture of service. – (1) The resignation or dismissal or removal or termination of an employee from the service of the Bank shall entail forfeiture of his entire past service and consequently shall not qualify for pensionary benefits.

(2) An interruption in the service of an employee entails forfeiture of his past service, except in the following cases, namely:-

- (a) authorised leave of absence;
- (b) suspension, where it is immediately followed by reinstatement, whether in the same or a different post, or where the employee dies or is permitted to retire or is retired on attaining the age of compulsory retirement while under suspension;
- (c) transfer to non-qualifying service in an establishment under the control of the Government or the Bank if such transfer has been ordered by a competent authority in the public interest;
- (d) joining time while on transfer from one post to another.

(3) Notwithstanding anything contained in sub-regulation (2) the appointing authority may, by order, commute retrospectively the periods of absence without leave as extraordinary leave.

(4) (a) In the absence of a specific indication to the contrary in the service record, an interruption between two spells of service rendered by an employee shall be treated as automatically condoned and the pre-interruption service treated as qualifying service.

(b) Nothing in clause (a) shall apply to interruption caused by resignation, dismissal or removal from service.

23. Period of deputation to foreign service. – An employee deputed on foreign service to the United Nations or any other foreign body or organisation may at his option -

(a) pay pension contribution in respect of his foreign service and count such service as qualifying service under these regulations; or

(b) avail of the retirement benefits admissible under the rules of the foreign employer and not count such service as qualifying service under these regulations:

Provided that where an employee opts for clause (b), retirement benefits shall be payable to him in India in rupees from such date and in such manner as the Bank may, by order specify.

24. Military Service. – An employee who has rendered military service before appointment in the Bank shall continue to draw the military pension, if any, and military service rendered by the employee shall not count as qualifying service for pension.

25. Period of deputation to an organisation in India. – The period of deputation of an employee to another organisation in India will count as qualifying service:

Provided that the organisation to which he is deputed or the employee pays to the Bank the pensionary contributions at the rates specified in sub-regulation (a) of regulation 7 of these regulations or at the rates specified by the Bank at the time of deputation, whichever is higher.

26. Addition to qualifying service in special circumstances. – An employee shall be eligible to add to his service qualifying for superannuation pension (but not for any other class of pension) the actual period not exceeding one fourth of the length of his service or the actual period by which his age at the time of recruitment exceeded the upper age limit specified by the Bank for direct recruitment or a period of five years, whichever is less, if the service or post to which the employee is appointed is one -

(a) for which post-graduate research, or specialist qualification or experience in scientific, technological; or professional fields, is essential;

(b) to which candidates of age exceeding the upper age limit specified for direct recruitment are normally recruited;

(c) for which the candidate was given age relaxation over and above the maximum age limit fixed by the Bank on account of his possessing higher qualifications or experience:

Provided that this concession shall not be admissible to an employee unless his actual qualifying service at the time he quits the service in the Bank is not less than ten years:

Provided further that this concession shall be admissible if the recruitment rules in respect of the said service or post contain specific provision that the service or post is one which carries benefit of this regulation:

Provided also that the recruitment rules in respect of any service or post which carries the benefit of this regulation, shall be made with the approval of the Central Government.

CHAPTER V

CLASSES OF PENSION

27. Superannuation Pension. – The superannuation pension shall be granted to an employee who has retired on his attaining the age of superannuation specified in the National Housing Bank (Officers') Service Regulations, 1997.

Provided that, pension shall also be granted to an employee who opts to retire before attaining the age of superannuation, but after having served for a minimum period of 15 years in terms of any scheme that may be framed by the Board with the concurrence of the Central Government.

28. Pension on Voluntary Retirement. – (1) An employee, at any time, after he has completed twenty years of qualifying service, after giving notice of not less than three months in writing to the competent authority, may retire from service:

Provided that this sub-regulation shall not apply to an employee who is on deputation or on study leave abroad unless after having been transferred or having returned to India he has resumed charge of the post in India and has served for a period of not less than one year:

Provided further that this sub-regulation shall not apply to an employee who seeks retirement from service for being absorbed permanently in an autonomous body or a public sector undertaking or company or institution or body, whether incorporated or not to which he is on deputation at the time of seeking voluntary retirement:

Provided also that this sub-regulation shall not apply to an employee who is deemed to have retired in accordance with clause (j) of regulation 2.

(2) The notice of voluntary retirement given under sub-regulation (1) shall require acceptance by the competent authority:

Provided that where the competent authority does not refuse to grant the permission for retirement before the expiry of the period specified in the said notice, the retirement shall become effective from the date of expiry of the said period.

(3) (a) An employee referred to in sub-regulation (1) may make a request in writing to the competent authority to accept notice of voluntary retirement of less than three months giving reasons therefor;

(b) On receipt of a request under clause(a), the competent authority may, subject to the provisions of sub-regulation (2), consider such request for the curtailment of the period of notice of three months on merits and if it is satisfied that the curtailment of the period of notice will not cause any administrative inconvenience, the competent authority may relax the requirement of notice of three months on the condition that the employee shall not apply for commutation of a part of his pension before the expiry of the notice of three months.

(4) An employee, who has elected to retire under this regulation and has given necessary notice to that effect to the competent authority, shall be precluded from withdrawing his notice except with the specific approval of such authority:

Provided that the request for such withdrawal shall be made before the intended date of his retirement.

(5) The qualifying service of an employee retiring voluntarily under this regulation shall be increased by a period not exceeding five years, subject to the condition that the total qualifying service rendered by such employee shall not in any case exceed thirty-three years and it does not take him beyond the date of superannuation.

(6) The pension of an employee retiring under this regulation shall be based on the average emoluments as defined under clause (d) of regulation 2 of these regulations and the increase, not exceeding five years in his qualifying service, shall not entitle him to any notional fixation of pay for the purpose of calculating his pension.

29. Invalid Pension.—(1) Invalid pension may be granted to an employee who, -

- (a) has rendered minimum ten years of service; and
- (b) retires from the service, on or after the notified date, on account of any physical or mental infirmity which permanently incapacitates him for the service.

(2) An employee applying for an invalid pension shall submit a medical certificate of incapacity from a medical officer approved by the Bank.

(3) Where the medical officer approved by the Bank has declared the employee fit for further service of less laborious character than that which he had been doing, he may, provided he is willing to be so employed, be employed on lower post and if there be no means of employing him even on a lower post, he may be admitted to invalid pension.

(4) No medical certificate of incapacity for service may be granted unless the applicant produces a letter to show that the competent authority is aware of the intention of the applicant to appear before the medical officer approved by the Bank.

(5) The medical officer approved by the Bank shall also be supplied by the competent authority in which the applicant is employed with a statement of what appears from official records to be the age of the applicant.

30. Compassionate Allowance.—(1) An employee, who is dismissed or removed or terminated from service, shall forfeit his pension:

Provided that the authority higher than the authority competent to dismiss or remove or terminate him from service may, if -

- (i) such dismissal, removal, or termination is on or after the notified date; and
- (ii) the case is deserving of special consideration,

sanction a compassionate allowance not exceeding two-thirds of the pension which would have been admissible to him on the basis of the qualifying service rendered up to the date of his dismissal, removal, or termination.

(2) The compassionate allowance sanctioned under the proviso to sub-regulation (1) shall not be less than the amount of minimum pension payable under regulation 35 of these regulations.

31. Premature Retirement Pension. — Premature retirement pension may be granted to an employee who, -

- (a) has rendered minimum ten years of service;
- (b) retires from service on account of orders of the Bank to retire prematurely in the public interest or for any other reason specified in the National Housing Bank (Officers') Service Regulations, 1997, if otherwise he was entitled to such pension on superannuation on that date.

32. Compulsory retirement pension. — (1) An employee compulsorily retired from service as a penalty on or after notified date in terms of the National Housing Bank Employees' (Conduct) Regulations, 1994 and the National Housing Bank Employees' (Discipline and Appeals) Regulations, 1994 may be granted pension by the authority higher than the authority competent to impose such penalty, at a rate not less than two-thirds and not more than full pension admissible to him on the date of his compulsory retirement if otherwise he was entitled to such pension on superannuation on that date.

(2) Whenever in the case of an employee the competent authority passes an order (whether original, appellate or in exercise of power of review) awarding a pension less than the full compensation pension admissible under these regulations, the Board shall be consulted before such order is passed.

(3) A pension granted or awarded under sub-regulation (1) or, as the case may be, under sub-regulation (2), shall not be less than the amount of rupees seven hundred and twenty per mensem.

33. Payment of pension or family pension in respect of employees who retired or died between 9th July, 1988 and the notified date. — (1) The employees who have retired from the service of the Bank between 9th day of July 1988 and the notified date shall be eligible for pension with effect from the notified date only;

(2) The family of a deceased employee governed by the provisions contained in the sub-regulations (4) of regulation 3 shall be eligible for family pension with effect from the notified date.

CHAPTER VI

RATE OF PENSION

34. Amount of Pension. — (1) In respect of employees who retired between the 9th day of July, 1988 and the notified date, basic pension will be updated as per the formula given in Appendix-I.

(2) In the case of an employee retiring in accordance with the provisions of the service regulations after completing a qualifying service of not less than thirty three years the amount of basic pension shall be calculated at fifty per cent of the average emoluments.

(3) (a) additional pension shall be fifty per cent of the average amount of the allowances drawn by an employee during the last ten months of his service;

(b) no dearness relief shall be paid on the amount of additional pension.

Explanation. — For the purposes of this sub-regulation "allowances" means allowances which are admissible to the extent counted for making contributions to the provident fund.

(4) Pension as computed being aggregate of sub-regulations (2) and (3) shall be subject to the minimum pension as specified in these regulations.

(5) An employee who has commuted the admissible portion of his pension as per the provisions of regulation 4C shall receive only the balance of pension, monthly.

(6) (a) In the case of an employee retiring before completing a qualifying service of thirty three years, but after completing a qualifying service of ten years, the amount of pension shall be proportionate to the amount of pension admissible under sub-regulations (2) and (3) and in no case the amount of pension shall be less than the amount of minimum pension specified in these regulations.

(b) Notwithstanding any thing contained in these regulations the amount of invalid pension shall not be less than the ordinary rate of family pension which would have been payable to his family in the event of his death while in service.

(7) The amount of pension finally determined under this regulation shall be expressed in whole rupee and where the pension contains a fraction of a rupee, it shall be rounded off to the next higher rupee.

35. Minimum pension. — The amount of minimum pension shall be seven hundred and twenty rupees per month.

36. Dearness relief. — (1) Dearness relief shall be granted on basic pension or family pension or invalid pension or on compassionate allowance in accordance with the rates specified in Appendix II.

(2) Dearness relief shall be allowed on full basic pension even after commutation.

37. Determination of the period of ten months for average emoluments. — (1) The period of the preceding ten months for the purpose of average emoluments shall be reckoned from the date of retirement.

(2) In the case of voluntary retirement or premature retirement the period of the preceding ten months for the purpose of average emoluments shall be reckoned from the date on which the employee voluntarily retires or is prematurely retired by the Bank.

(3) In the case of dismissal or removal or compulsory retirement or termination of service the period of the preceding ten months for the purpose of average emoluments shall be reckoned from the date on which the employee is dismissed or removed or compulsorily retired or terminated by the Bank.

(4) If during the last ten months of the service an employee had been absent from duty on extraordinary leave on loss of pay or had been under suspension and the period whereof does not count as service, the aforesaid period of extraordinary leave or suspension shall

not be taken into account in the calculation of the average emoluments and an equal period before the ten months shall be included.

CHAPTER VII

FAMILY PENSION

38. Family Pension. – (1) Without prejudice to the provisions contained in these regulations where an employee dies –

- (a) after completion of one year of continuous service; or
- (b) before completion of one year of continuous service if the deceased employee concerned immediately prior to his appointment to the service or post was examined by a medical officer approved by the Bank and declared fit for employment in the Bank; or
- (c) after retirement from service and was on the date of death in receipt of a pension, or compassionate allowance,

the family of the deceased shall be entitled to family pension, the amount of which shall be determined in accordance with Appendix III.

(2) The amount of family pension shall be fixed at monthly rates and be expressed in whole rupees and where the family pension contains a fraction of a rupee, it shall be rounded off to the next higher rupee:

Provided that in no case a family pension in excess of the maximum prescribed under these regulations shall be allowed.

(3) (a) (i) Where an employee, who is not governed by the Workmen's Compensation Act, 1923 (8 of 1923), dies while in service after having rendered not less than seven years' continuous service, the rate of family pension payable to the family shall be equal to fifty per cent. of the pay last drawn or twice the family pension admissible under sub-regulation (1), whichever is less, and the amount so admissible shall be payable from the date following the date of death of the employee for a period of seven years or for a period up to the date on which the deceased employee would have attained the age of sixty five years had he survived, whichever is less.

(ii) In the event of death of an employee after retirement, the family pension as determined under clause (a) or clause (b) of this sub-regulation shall be payable for a period of seven years or for a period up to the date on which the retired deceased employee would have attained the age of sixty five years had he survived, whichever is less.

(b) (i) Where an employee, who is governed by the Workmen's Compensation Act, 1923 (8 of 1923), dies while in service after having rendered not less than seven years' continuous service, the rate of family pension payable to the family shall be equal to fifty per cent. of the pay last drawn or one and half times the family pension admissible under sub regulation (1), whichever is less;

(ii) the family pension so determined under sub-clause (i) shall be payable for the period mentioned in clause (a);

(c) after the expiry of the period referred to in clause (a), the family in receipt of family pension under that clause or clause (b) shall be entitled to family pension at the rate admissible under sub-regulation (1).

(4) Notwithstanding anything contained in these regulations where the family of a deceased employee opts for pension in accordance with sub-regulation (4) of regulation 3, such family of the deceased shall be eligible for family pension under these regulations.

39. Period of payment of family pension. — (1) The period for which family pension is payable shall be—

- (a) in the case of a widow or a widower, up to the date of death or re-marriage, whichever is earlier;
- (b) in the case of a son, until he attains the age of twenty-five years; and
- (c) in the case of an unmarried daughter, until she attains the age of twenty-five years or until she gets married, whichever is earlier:

Provided that if the son or daughter of an employee is suffering from any disorder or disability of mind or is physically crippled or disabled so as to render him or her unable to earn a living even after attaining the age of twenty-five years, the family pension shall be payable to such son or daughter for life subject to the following conditions, namely:—

- (i) If such son or daughter is one among two or more children of the employee, the family pension shall be initially payable to the minor children in the order set out in clause (e) of sub-regulation (1) until the last minor child attains the age of twenty-five years, and thereafter the family pension shall be resumed in favour of the son or daughter suffering from disorder or disability of mind or who is physically crippled or disabled and shall be payable to him or her for life.
- (ii) If there are more than one such children suffering from disorder or disability of mind or who are physically crippled or disabled, the family pension shall be paid in the order of their birth and the younger of them will get the family pension only after the elder next above him or her ceases to be eligible:

Provided that where the family pension is payable to such twin children it shall be paid in the manner set out in clause (f) of sub-regulation (1).

- (iii) The family pension shall be paid to such son or daughter through the guardian as if he or she were a minor except in the case of physically crippled son or daughter who has attained the age of majority.
- (iv) Before allowing the family pension for life to any such son or daughter, the competent authority shall satisfy that the handicap is of such a nature as to prevent him or her from earning his or her livelihood and the same shall be evidenced by a certificate obtained from a medical officer approved by the Bank, setting out, as far as possible, the exact mental or physical condition of the child.
- (v) The person receiving the family pension as guardian of such son or daughter or such son or daughter not receiving the family pension through a guardian shall produce every three years a certificate from a medical officer approved by the Bank to the effect that he or she continues to suffer from disorder or disability of mind or continues to be physically crippled or disabled.

Explanation. — The grant of family pension to disabled children beyond the age limit specified in this regulation is subject to the following conditions, namely:-

- (i) a daughter shall become ineligible for family pension under this sub-regulation from the date she gets married;
- (ii) the family pension payable to such son or daughter shall be stopped if he or she starts earning his or her livelihood. In such cases it shall be the duty of the guardian or such son or daughter to furnish a certificate to the Bank every month that -
 - (A) such son or daughter has not started earning his or her livelihood;
 - (B) in case of daughter that she has not yet married;
- (d) if a deceased employee or pensioner leaves behind a widow or widower, the family pension shall become payable to the widow or widower, failing which to the eligible child.
- (e) family pension to the children shall be payable in the order of their birth and the younger of these shall not be eligible for family pension unless the elder next above him or her has become ineligible for the grant of family pension:

Provided that where the family pension is payable to twin children, it shall be paid in the manner set out in clause (f) of the sub-regulation (1);

- (f) where the family pension is payable to twin children it shall be paid to such children in equal shares:

Provided that where one such child ceases to be eligible, his or her share shall revert to the other child and where both of them cease to be eligible, the family pension shall be payable to the next eligible single child or twin children, as the case may be.

- (2) Where a deceased employee or a pensioner leaves behind more children than one, the eldest eligible child shall be entitled to the family pension for the period mentioned in clauses (b) or (c) sub-regulation (1), as the case may be, and after the expiry of that period the next child shall become eligible for the grant of family pension.

- (3) Where family pension is granted under this regulation to a minor, it shall be payable to the guardian on behalf of the minor.

- (4) In case both wife and husband are employees of the Bank and are governed by the provisions of this regulation and one of them dies while in service or after retirement, the family pension in respect of the deceased shall be payable to the surviving husband or wife and in the event of death of the surviving husband or wife, the surviving child or children shall be granted the two family pensions in respect of the deceased parents subject to the limits specified below, namely:-

- (a) if the surviving child or children is or are eligible to draw two family pensions at the rates mentioned in sub clause (i) of clause (a) and sub-clause (i) of clause (b) of sub-regulation (3) of regulation 38 the amount of both pensions shall be limited to four thousand eight hundred rupees per mensem;
- (b) if one of the family pensions ceases to be payable at the rates mentioned in sub-clause (i) of clause (a) or sub-clause (i) of clause (b) of sub-regulation (3) of regulation 38 and in lieu thereof the family pension at the rate mentioned in sub-regulation (1) of

regulation 38 becomes payable, the amount of both the pensions shall also be limited to four thousand eight hundred rupees per mensem;

(c) if both the family pensions are payable at the rate mentioned in sub-regulation (1) of regulation 38, the amount of the two pensions shall be limited to two thousand four hundred rupees per mensem.

5. (a) where family pension is payable to more widows than one, the family pension shall be paid to the widows in equal shares;

(b) on the death of a widow, her share of the family pension shall become payable to her eligible child:

Provided that if the widow is not survived by any child, her share of the family pension shall not lapse but shall be payable to the other widows in equal shares, or if there is only one such other widow, in full, to her;

(c) where the deceased employee or pensioner is survived by a widow but has left behind eligible child or children from another wife who is not alive, the eligible child or children shall be entitled to the share of family pension which the mother would have received if she had been alive at the time of death of the employee or pensioner:

Provided that on the share or shares of family pension payable to such a child or children or to a widow or widows ceasing to be payable, such share or shares shall not lapse, but shall be payable to the other widow or widows or to other child or children otherwise eligible, in equal shares, or if there is only one widow or child, in full, to such widow or child;

(d) where the family pension is payable to twin children it shall be paid to such children in the manner specified in clause (f) of sub-regulation (1);

(e) except as provided in this sub-regulation the family pension shall not be payable to more than one member of the family at the same time.

(6) Where a female employee or male employee dies leaving behind a judicially separated husband or widow and no child or children, the family pension in respect of the deceased shall be payable to the person surviving:

Provided that where in a case the judicial separation is granted on the ground of adultery and the death of the employee takes place during the period of such judicial separation, the family pension shall not be payable to the person surviving if such person surviving was held guilty of committing adultery.

(7) (a) where a female employee or male employee dies leaving behind a judicially separated husband or widow with a child or children, the family pension payable in respect of the deceased shall be payable to the surviving person provided he or she is the guardian of such child or children;

(b) where the surviving person has ceased to be the guardian of such child or children, such family pension shall be payable to the person who is the actual guardian of such child or children.

(8) If the son or unmarried daughter eligible for the grant of family pension has attained the age of eighteen years, the family pension may be paid to such son or unmarried daughter directly.

(9) (a) If a person who, in the event of death of an employee while in service, is eligible to receive family pension under these regulations, is charged with the offence of murdering the employee or for abetting in the commission of such offence, the claim of such person, including other eligible member or members of the family to receive the family pension, shall remain suspended till the conclusion of the criminal proceedings instituted against him.

(b) If on the conclusion of the criminal proceedings referred to in clause (a), the person concerned -

- (i) is convicted for the murder or abetting in the murder of the employee, such a person shall be debarred from receiving the family pension which shall be payable to the other eligible member of the family from the date of death of the employee;
- (ii) is acquitted of the charge of murder or abetting in the murder of the employee, the family pension shall be payable to such a person from the date of death of the employee.

(c) The provisions of sub-clauses (a) and (b) shall also apply for the family pension becoming payable on the death of an employee after his retirement.

CHAPTER VIII

COMMUTATION

40. Commutation. – (1) An employee shall be entitled to commute for a lump sum payment of a fraction not exceeding one-third of his pension:

Provided that in respect of an employee who is governed by sub-regulation (4) of regulation 3 of these regulations, the family of such employee shall also be entitled to commute for a lumpsum payment a fraction not exceeding one-third of the pension admissible to the employee.

(2) An employee shall indicate the fraction of pension which he desires to commute and may either indicate the maximum limit of one third pension or such lower limit as he may desire to commute.

(3) If fraction of pension to be commuted results in fraction of rupee, such fraction of rupee shall be ignored for the purpose of commutation.

(4) The lump sum payable to an applicant shall be calculated in accordance with the Table given below:-

COMMUTATION TABLE

Commutation values for a pension of Re.1 per annum

Age next birth day	Commutation value expressed as number of year's purchase	Age next birth day	Commutation value expressed as number of year's purchase
17	19.28	52	12.66
18	19.20	53	12.35
19	19.11	54	12.05
20	19.01	55	11.73
21	18.91	56	11.42
22	18.81	57	11.10
23	18.70	58	10.78
24	18.59	59	10.46
25	18.47	60	10.13
26	18.34	61	09.81
27	18.21	62	09.48
28	18.07	63	09.15
29	17.93	64	08.82
30	17.78	65	08.50
31	17.62	66	08.17
32	17.46	67	07.85
33	17.29	68	07.53
34	17.11	69	07.22
35	16.92	70	06.91
36	16.72	71	06.60
37	16.52	72	06.30
38	16.31	73	06.01
39	16.09	74	05.72
40	15.87	75	05.44
41	15.64	76	05.17
42	15.40	77	04.90
43	15.15	78	04.65
44	14.90	79	04.40
45	14.64	80	04.17
46	14.37	81	03.94
47	14.10	82	03.72
48	13.82	83	03.52
49	13.54	84	03.32
50	13.25	85	03.13
51	12.95		

Notes:

(1) The table above indicates the commuted value of pension expressed as number of years' purchase with reference to the age of the pensioner as on his next birthday. The commuted value in the case of an employee retiring at the age of fifty eight years is 10.46 years' purchase and, therefore, if he commutes rupee one hundred from his pension within

one year of retirement, the lump sum amount payable to him works out to $Rs.100 \times 10.46 \times 12 = Rs. 12,552$.

(2) An employee who had commuted the admissible portion of pension is entitled to have the commuted portion of the pension restored after the expiry of a period of fifteen years from the date of commutation.

(3) An applicant who is authorised a superannuation pension, voluntary retirement pension, premature retirement pension, compulsory retirement pension, invalid pension or compassionate allowance shall be eligible to commute a fraction of his pension under these regulations.

(4) In the case of a pensioner eligible for superannuation pension or pension on voluntary retirement or premature retirement pension, no medical examination shall be necessary, if the application for commutation is made within one year from the date of retirement. However, if such a pensioner applies for commutation of pension after one year from the date of his retirement, the same will be permitted subject to medical examination.

Explanation. – An applicant who -

- (i) retires on invalid pension under regulation 29 of these Regulations; or
- (ii) is in receipt of compassionate allowance under regulation 30 of these regulations; or
- (iii) is compulsorily retired by the Bank and is eligible for compulsory retirement pension under regulation 32,

shall be eligible to commute a fraction of his pension subject to the limit specified in sub-regulation (1) after he has been declared fit by a medical officer approved by the Bank.

(5) The commutation of pension shall become absolute in the case of an employee -

- (a) retiring on superannuation or voluntary retirement who submits an application for commutation of pension before the date of retirement, on the date following the date of retirement:

Provided that the employee governed by sub-regulation (3) of regulation 28 shall not apply for commutation of a part of his pension before the expiry of the notice of three months and the commutation of pension shall become absolute only on the expiry of the period of notice referred to in sub-regulation (1) of regulation 28;

- (b) retiring on superannuation or on voluntary retirement or on premature retirement, if he applies for commutation of pension after the date of retirement, but before the completion of one year from the date of retirement, on the date the application for commutation is received by the competent authority;

- (c) retiring on superannuation or on voluntary retirement or on premature retirement, if he applies for commutation of pension after one year from the date of retirement, on the date of the medical certificate given by a medical officer approved by the Bank;

- (d) who has retired prior to the notified date and who opts to be governed by these regulations, on the notified date and where the application for commutation is made within the period specified by clause (b) of the sub-regulation (1) of regulation 3, commutation shall become absolute on the date of medical certificate given by the medical officer approved by the Bank
- (e) in respect of whom invalid pension under regulation 29 or compassionate allowance under regulation 30 or compulsory retirement under regulation 32 is admissible, commutation shall become absolute on the date of the medical certificate given by a medical officer approved by the Bank.

CHAPTER IX

GENERAL CONDITIONS

41. Pension subject to future good conduct. — Future good conduct shall be an implied condition of every grant of pension and its continuance under these regulations.

42. Withholding or withdrawal of pension. — The competent authority may, by order in writing, withhold or withdraw a pension or a part thereof, whether permanently or for a specified period, if the pensioner is convicted of a serious crime or criminal breach of trust or forgery or acting fraudulently or is found guilty of grave misconduct;

Provided that where a part of pension is withheld or withdrawn, the amount of such pension shall not be reduced below the minimum pension per mensem payable under these regulations.

43. Conviction by Court. — Where a pensioner is convicted of a serious crime by a court, action shall be taken in the light of the judgement of the court relating to such conviction.

44. Pensioner guilty of grave misconduct. — In a case not falling under regulation 43 if the competent authority considers that the pensioner is *prima facie* guilty of grave misconduct, it shall, before passing an order, follow the procedure specified in regulation 6 of the National Housing Bank Employees' (Discipline and Appeals) Regulations, 1994.

45. Provisional Pension. — (1) An employee who has retired on attaining the age of superannuation or otherwise and against whom any departmental or judicial proceedings are instituted or where departmental proceedings are continued, a provisional pension, equal to the maximum pension which would have been admissible to him, would be allowed subject to adjustment against final retirement benefits sanctioned to him, upon conclusion of the proceedings but no recovery shall be made where the pension finally sanctioned is less than the provisional pension or the pension is reduced or withheld etc. either permanently or for a specified period.

(2) In such cases the gratuity shall not be paid to such an employee until the conclusion of the proceedings against him. The gratuity shall be paid to him on conclusion of the proceedings subject to the decision of the proceedings. Any recoveries to be made from an employee shall be adjusted against the amount of gratuity payable.

Explanation. — In this Chapter, —

- (a) the expression "serious crime" includes a crime involving an offence under the Official Secrets Act, 1923 (19 of 1923);
- (b) the expression "grave misconduct" includes the communication or disclosure of any secret official code or password or any sketch, plan, model, article, note, document or information, such as is mentioned in section 5 of the Official Secrets Act, 1923 (19 of 1923) which was obtained while holding office in the Bank so as to prejudicially affect the interests of the general public or the security of the State.
- (c) the expression "fraudulently" shall have the meaning assigned to it under section 25 of the Indian Penal Code, 1860 (45 of 1860);
- (d) the expression "criminal breach of trust" shall have the meaning assigned to it under section 405 of the Indian Penal Code, 1860 (45 of 1860);
- (e) the expression "forgery" shall have the meaning assigned to it under section 463 of the Indian Penal Code, 1860 (45 of 1860).

46. Commutation of pension during departmental or judicial proceedings. — An employee against whom departmental or judicial proceedings have been instituted before the date of his retirement or a person against whom such proceedings are instituted after the date of his retirement, shall not be eligible to commute a fraction of his provisional pension, or pension, as the case may be, authorised under these regulations during the pendency of such proceedings.

47. Recovery of Pecuniary loss caused to the Bank. — (1) The competent authority may withhold or withdraw the pension or a part thereof, whether permanently or for a specified period, and order recovery from pension of the whole or part of any pecuniary loss caused to the Bank if in any departmental or judicial proceedings the pensioner is found guilty of grave misconduct or negligence or criminal breach of trust or forgery or acts done fraudulently during the period of his service:

Provided that the Board shall be consulted before any final orders are passed:

Provided further that departmental proceedings, if instituted while the employee was in service, shall, after the retirement of the employee, be deemed to be proceedings under these regulations and shall be continued and concluded by the authority by which they were commenced in the same manner as if the employee had continued in service:

Provided also that no departmental or judicial proceedings, if not initiated while the employee was in service, shall be instituted in respect of a cause of action which arose or in respect of an event which took place more than four years before such institution.

(2) Where the competent authority orders recovery of pecuniary loss from the pension, the recovery shall not ordinarily be made at a rate exceeding one-third of the pension admissible on the date of retirement of the employee:

Provided that where a part of pension is withheld or withdrawn, the amount of pension drawn by a pensioner shall not be less than the minimum pension payable under these regulations.

48. Recovery of Bank's dues. — The Bank shall be entitled to recover the dues to the Bank on account of housing loans, advances, license fees, other recoveries and recoveries due to

staff cooperative credit society from the commutation value of the pension or the pension or the family pension.

49. Commercial employment after retirement.—(1) If a pensioner who immediately before his retirement was holding the post of an officer and wishes to accept any commercial employment before the expiry of two years from the date of his retirement, he shall obtain the previous sanction of the Bank to such acceptance.

(2) Subject to the provision of sub-regulation (3), the Bank may, by order in writing, on the application by a pensioner, grant, subject to such conditions, if any, as it may deem necessary, permission, or refuse, for reasons to be recorded in the order, permission to such pensioner to take up the commercial employment specified in the application.

(3) In granting or refusing permission under sub-regulation (2) to a pensioner for taking up any commercial employment, the Bank shall have regard to the following factors, namely:—

- (a) the nature of employment proposed to be taken up and the antecedents of the employer;
- (b) whether his duties in the employment which he proposes to take up might be such as to bring him into conflict with the Bank;
- (c) whether the pensioner while in service had any such dealing with the employer under whom he proposes to seek employment as it might afford a reasonable basis for the suspicion that such pensioner had shown favours to such employer;
- (d) whether the duties of the commercial employment proposed involve liaison or contact work with Bank;
- (e) whether his commercial duties will be such that his previous official position or knowledge or experience under Bank could be used to give the proposed employer an unfair advantage;
- (f) the emoluments offered by the proposed employer; and
- (g) any other relevant factor.

(4) Where within a period of sixty days of the date of receipt of an application under sub-regulation (3) the Bank does not refuse to grant the permission applied for or does not communicate the refusal to the applicant, the Bank shall be deemed to have granted the permission applied for:

Provided that in any case where defective or insufficient information is furnished by the applicant and it becomes necessary for the Bank to seek further clarifications or information from him, the period of sixty days shall be counted from the date on which the defects have been removed or complete information has been furnished by the applicant.

(5) Where the Bank grants the permission applied for subject to any conditions or refuses such permission, the applicant may, within thirty days of the receipt of the order of the Bank to that effect, make a representation against any such condition or refusal and the Bank may make such orders thereon as it deems fit.

Provided that no order other than an order cancelling such condition or granting such permission without any conditions shall be made under this sub-regulation without giving

the pensioner making the representation an opportunity to show cause against the order proposed to be made.

(6) If any pensioner takes up any commercial employment at any time before the expiry of two years from the date of his retirement without the prior permission of the Bank or commits a breach of any condition subject to such permission to take up any commercial employment has been granted to him under this regulation, it shall be competent for the Bank to declare by order in writing and for reasons to be recorded therein that he shall not be entitled to the whole or such part of the pension and for such periods as may be specified in the order:

Provided that no such order shall be made without giving the pensioner concerned an opportunity of show cause against such declaration:

Provided further that in making any order under this sub-regulation the Bank shall have regard to the following factors, namely:-

- (i) the financial circumstances of the pensioner concerned;
- (ii) the nature of, and the emoluments from, the commercial employment taken up by the pensioner concerned; and
- (iii) any other relevant factor.

(7) Every order passed by the Bank under this regulation shall be communicated to the pensioner concerned.

(8) In this Regulation, the expression "commercial employment" means -

- (i) an employment in any capacity including that of an agent, under a company (including banking company), co-operative society, firm or individual engaged in trading, commercial, industrial, financial or professional business and includes also a directorship of such company (including a banking company) and partnership of such firm, but does not include employment under a body corporate, wholly or substantially owned or controlled by the Central Government or a State Government;
- (ii) setting up practice, either independently or as a partner of a firm, as adviser or consultant in matters in respect of which the pensioner -
 - (A) has no professional qualifications and the matters in respect of which the practice is to be set up or is carried on are relatable to his official knowledge or experience; or
 - (B) has professional qualifications but the matters in respect of which such practice is to be set up are such as are likely to give his clients an unfair advantage by reason of his previous official position; or
 - (c) has to undertake work involving liaison or contact with the offices or officers of the Bank.

Explanation:- For the purpose of this clause, the expression "employment under a cooperative society" includes the holding of any office whether elective or otherwise, such as that of President, Chairman, Manager, Secretary, Treasurer and the like, by whatever name called in such society.

50. Nomination. — (1) The trust shall allow every employee governed by these regulations to make a nomination conferring on one or more persons the right to receive the amount of pensionary benefits under these regulations in the event of his death before that amount becomes payable or, having become payable, has not been paid. Such nomination shall be made in such form as may be specified by the Bank from time to time.

(2) If any employee nominates more than one person under sub-regulation (1), he shall, in his nomination, specify the amount or share payable to each of the nominees in such a manner as to cover the whole of the amount of the pensionary benefits that may be payable in the event of his death.

(3) A nomination made by an employee may, at any time, be modified or revoked by him after giving a written notice to the trust of his intention of doing so in such form as the Bank may from time to time specify.

(4) A nomination or its revocation or its modification shall take effect to the extent it is valid on the date on which it is received by the Trust.

51. Date from which pension becomes payable. — (1) Except in the case of an employee to whom the provisions of regulation 42 and regulation 45 apply, a pension other than family pension shall become payable from the date following the date on which an employee retires or the notified date, whichever is later.

(2) Family pension shall become payable from the date following the date of death of the employee or the pensioner or the notified date, whichever is later.

(3) Pension including family pension shall be payable for the day on which its recipient dies.

52. Currency in which pension is payable. — All pensions admissible under these regulations shall be payable in rupees in India only.

53. Manner of payment of pension. — A pension fixed at a monthly rate shall be payable monthly on or after the first day of the following month.

54. Power to issue instructions. — The Chairman and Managing Director of the Bank may from time to time issue instructions as may be considered necessary or expedient for the implementation of these regulations.

55. Residuary provisions. — In case of doubt, in the matter of application of these regulations, regard may be had to the corresponding provisions of Central Civil Services Rules, 1972 or Central Civil Services (Commutation of Pension) Rules, 1981, applicable to the Central Government employees with such exceptions and modifications as the Bank, with the previous sanction of the Central Government, may from time to time, determine.

APPENDIX I
(See regulation 34)

(a) The formula of updating basic pension in respect of employees who retired during the period 09.07.1988 to 30.6.1993 shall be as under -

Pay (with reference to merger of dearness allowance up to 600 points) plus dearness over 600 points.

(b) The formula for updating the basic pension in respect of officers who have retired on or after 1st day of July, 1993 but before 1st day of May, 1994 shall be as under:-

(1) Total of pay drawn as per the old scale for the month/s during the last 10 months of qualifying service. Rs. _____

(2) Total of dearness allowance actually drawn or dearness allowance at 1148 points, whichever is less, for each month of pay calculated at (1) above. Rs. _____

(3) Total of pay drawn as per (1) above plus total of dearness allowance drawn as per (2) above. Rs. _____

(4) Total of pay drawn as per the revised scale of pay for the month/s during the last 10 months of qualifying service including the month in which the employee retired. Rs. _____

(5) Total of col. (3) and (4) above. Rs. _____

(6) Average emoluments for the purpose of pension i.e. $\frac{\text{Total as per (5) above}}{10}$ Rs. _____

(7) Updated basic pension i.e. $\frac{50\% \text{ of (6) above} \times \text{no. of years of qualifying service}}{33}$ Rs. _____

(8) Basic pension (rounded off to next higher rupee) Rs. _____

--*-*

APPENDIX - II
(See Regulation 36)

Dearness relief on basic pension shall be as under:

(1) In the case of employees who retired on or after the 9th day of July, 1988, but before the 1st day of November, 1993, dearness relief shall be payable for every rise or be recoverable for every fall, as the case may be, of every 4 points over 600

points in the quarterly average of the All India Average Consumer Price Index for Industrial Workers in the series 1960 = 100. Such increase or decrease in dearness relief for every said four points shall be calculated in the manner given below:

Scale of basic pension per month	The rate of dearness relief as a percentage of basic pension
(1)	(2)
(i) upto Rs.1250	0.67 per cent.
(ii) Rs.1251 to Rs.2000	0.67 per cent of Rs.1250 plus 0.55 per cent. of basic pension in excess of Rs.1250.
(iii) Rs.2001 to Rs.2130	0.67 per cent of Rs.1250 plus 0.55 per cent. of the difference between Rs.2000. and Rs.1250 plus 0.33 per cent. of basic pension in excess of Rs.2000.
(iv) above Rs.2130	0.67 per cent of Rs.1250 plus 0.55 per cent. of the difference between Rs.2000 and Rs.1250 plus 0.33 per cent. of the difference between Rs.2130 and Rs.2000 plus 0.17 per cent. of basic pension in excess of Rs.2130.

(2) In the case of employees who retire on or after the 1st day of November, 1993, dearness relief shall be payable for every rise or be recoverable for every fall, as the case may be, of every 4 points over 1148 points in the quarterly average of the All India Average Consumer Price Index for Industrial Workers in the series 1960 = 100. Such increase or decrease in dearness relief for every said four points shall be calculated in the manner given below:

Scale of basic pension per month	The rate of dearness relief as a percentage of basic pension
(1)	(2)
(i) Upto Rs. 2400	0.35 per cent.
(ii) Rs.2401 to Rs.3850	0.35 per cent. of Rs.2400 plus 0.29 per cent. of basic pension in excess of Rs.2400
(iii) Rs.3851 to Rs.4100	0.35 per cent. of Rs.2400 plus 0.29 per cent. of the difference between Rs.3850 and Rs.2400 plus 0.17 per cent. of basic pension in excess of Rs.3850.
(iv) Above Rs.4100	0.35 per cent. of Rs.2400 plus 0.29 per cent. of the difference between Rs.3850 and Rs.2400 plus 0.17 per cent. of the difference between Rs.4100 and Rs.3850 plus 0.09 per cent. of basic pension in excess of Rs.4100.

(3) Dearness relief shall be payable for the half year commencing from the 1st day of February and ending with 31st day of July on the quarterly average of the index figures published for the months of October, November and December of the

previous year and for the half year commencing from the 1st day of August and ending with the 31st day of January on the quarterly average of the index figures published for the months of April, May and June of the same year.

- (4) In the case of family pension, invalid pension and compassionate allowance dearness relief shall be payable in accordance with the rates mentioned above.
- (5) Dearness relief will be allowed on full basic pension even after commutation.

--*-*-*

APPENDIX III (See Regulation 38)

The ordinary rates of family pension shall be as under:

- (a) In respect of employees retired before 1.07.1993:

Scale of pay per month (1)	Amount of monthly Family Pension (2)
Upto Rs.1500	30 per cent. of the 'Pay' shall be the basic family pension plus 30 per cent. of allowances which are counted for making contributions to Provident Fund but not for dearness allowance shall be the additional family pension. The aggregate of basic and additional family pension shall not be less than Rs.375 per month.
Rs.1501 to Rs.3000	20 per cent. of the 'Pay' shall be the basic family pension plus 20 per cent. of allowances which are counted for making contributions to Provident Fund but not for dearness allowance shall be the additional family pension. The aggregate of basic and additional family pension shall not be less than Rs.450 per month.
Above Rs.3000	15 per cent of the 'Pay' shall be the basic family pension plus 15 per cent of allowances which are counted for making contributions to Provident Fund but not for dearness allowance shall be the additional family pension. The aggregate of basic and additional family pension shall not be less than Rs.600 per month and more than Rs.1250 per month.

(b) In respect of employees retired or retiring on or after 1.07.93.

Scale of pay per month (1)	Amount of monthly Family Pension (2)
Upto Rs. 2870	30 per cent of the 'Pay' shall be the basic family pension plus 30 per cent of the allowances which are counted for making contributions to Provident Fund but not for dearness allowance shall be the additional family pension. The aggregate of basic and additional family pension shall be subject to a minimum of Rs.720 per month.
Rs.2871 to Rs.5740	20 per cent of the 'Pay' shall be the basic family pension plus 20 per cent of the allowances which are counted for making contributions to Provident Fund but not for dearness allowance shall be the additional family pension. The aggregate of basic and additional family pension shall be subject to a minimum of Rs.860 per month.
Above Rs.5740	15 per cent of the 'Pay' shall be the basic family pension plus 15 per cent of the allowances which are counted for making contributions to Provident Fund but not for dearness allowance shall be the additional family pension. The aggregate of basic and additional family pension shall be subject to a minimum of Rs.1150 per month and a maximum of Rs.2400 per month.

By Order of the Board,
V. SRIDAR, Chairman and Managing Director
[No. ADVT-3/4/Extraordinary/I57/03]